www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 11 || लखनऊ
शनिवार
11 अप्रैल 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:47
सूर्यास्त: 06:28
अधिकतम: 35°00
न्यूनतम: 22°00

पेज 03

विशेष समाचार | अमेरिकी कांग्रेस में ट्रंप पर... >> पेज 02 | पानी की 2 टंकियों की छत टूटी... >> पेज 04 | आयशा टाकिया का 40वां जन्मदिन...

लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी, मदद के लिए सेना पहुंची, सभी पंजाब के रहने वाले

वृंदावन में यमुना में नाव डूबी

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में 30 पर्यटकों से भरी प्राइवेट नाव यमुना नदी में पलट गई। हादसे में 10 पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई। इनमें 7 महिलाएं और 3 पुरुष हैं। मृतकों में पति-पत्नी और पिता-बेटी शामिल हैं। नाव में सवार सभी पर्यटक पंजाब से घूमने आए थे। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया, हादसा दोपहर करीब 3 बजे केसी घाट पर हुआ, जो श्रीबांके बिहारी मंदिर से ढाई किमी की दूरी पर है। राहत और बचाव कार्य के लिए सेना आ गई है। गाजियाबाद से NDRF की टीम भी वृंदावन आ गई है।

पर्यटक मनोहर लाल ने बताया- हम सभी पंजाब में लुधियाना, हिसार, और मुक्तेश्वर से हैं। तेज हवा चल रही थी। यमुना नदी के बीच में नाव तेज हवा से अचानक डगमगाने लगी। स्पीड भी बढ़ गई। तभी नाव पीपा पुल (पांटून पुल) से टकराकर पलट गई। वृंदावन में कांग्रेस से पार्षद घनश्याम चौधरी ने बताया, प्रशासन की बड़ी लापरवाही है। न नाविक और न ही किसी श्रद्धालुओं ने लाइफ जैकेट पहनी थी। वृंदावन में 3 घंटे से रेस्क्यू जारी, अब आर्मी और पीएसी के गोताखोरों ने संभाला मोर्चा वृंदावन में हादसा हुए 3 घंटे हो चुके हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है।

स्टीमर और लापता लोगों की तलाश की जा रही है। आर्मी, पीएसी और गोताखोर लगातार सर्च कर रहे हैं। मंत्री लक्ष्मी नारायण ने घायलों से बात की है। उन्होंने हादसे की जानकारी ली और डॉक्टरों से सभी का समुचित इलाज करने को कहा है। गोताखोर गुलाब ने बताया- मैं घर पर था, जब ये हादसा हुआ। मुझे सूचना मिली थी कि एक स्टीमर डूब गया है।

करीब 30 लोग स्टीमर में थे। करीब 15 लोगों को बाहर निकाल लिया है। जिसमें 4 से 5 लोगों की हालत बहुत ही खराब थी। कम से कम 50 गोताखोर लगे हुए हैं।

हम लोग लगातार लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। पंजाब से आए मनोहर लाल ने बताया- हम लोग जगराओं (लुधियाना) से आए हैं।

टूरिस्ट बस से आए थे। तेज हवा से स्टीमर पीपा पुल से टकरा गया। इस वजह से स्टीमर यमुना में पलट गया।

25 थे सवार, 15 का रेस्क्यू, 10 की मौत

> डीआईजी शैलेश पांडेय ने बताया, पर्यटक 2 नावों में सवार थे। एक पलट गई, जिस पर 25 से 27 लोग सवार थे। 10 लोगों की मौत हुई है। 12 घायलों को बाहर निकाल लिया गया है। 3 से 5 लोगों के अभी लापता होने की सूचना है। रेस्क्यू टीम लगातार सर्च कर रही हैं। हादसे के बाद नाविक फरार हो गया। शुरुआती जांच से पता चला है कि नाव की क्षमता 15 श्रद्धालुओं की थी, लेकिन नाविक ने 25 लोगों को बिठा लिया था।

वृंदावन हादसे में 5 लापता लोगों की लिस्ट सामने आई

वृंदावन हादसे में मानिक टंडन, पंकज मल्होत्रा, निशभ शर्मा, यश और एक अन्य व्यक्ति लापता हैं। इनकी तलाश की जा रही है। नाव हादसे के बाद जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर 0565-2403200 जारी किया है। डीएम ने कहा, किसी भी समस्या या जानकारी के लिए मेरे मोबाइल नंबर 9454417512, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा के मोबाइल नंबर 9012881919/ 9454417583 व एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत के मोबाइल नंबर 9454401103 पर संपर्क कर सकते हैं।

- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इसी जगह नाव पाटून पुल से टकराकर पलट गई थी।
- पुलिस ने गोताखोरों की मदद से लापता लोगों की तलाश की। अब सेना सर्च ऑपरेशन चला रही है।

आर्मी की 2 टीम सर्च ऑपरेशन में जुटीं

मथुरा से स्ट्राइक वन कोर की टीम सर्च के लिए वृंदावन पहुंची है।आर्मी इंजीनियरिंग कोर की एक और टीम को बुलाया गया है। इसमें करीब 25 सदस्य शामिल हैं। यमुना में लापता लोगों को सर्च करने के लिए SDRF टीम ने अभियान तेज कर दिया है। अंधेरा हो रहा है। लाइट का इंतजाम किया गया है।

स्थानीय लाला पहलवान बोले- यमुना विहार के नाम पर अराजकता की जाती है

स्थानीय लाला पहलवान ने कहा, बहुत दुखद हादसा हुआ है। प्रशासन रेस्क्यू कर रहा है। हमारे ठाकुरजी ने यहां यमुना विहार किया था। लेकिन अब यमुना विहार के नाम पर अराजकता की जाती है। उन्मादी गाने बजाए जाते हैं। लोग नावों की छतों पर सवार हो जाते हैं। प्रशासन को पंडों से मिलकर गाइडलाइंस बनानी चाहिए।

वृंदावन हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, जनपद मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है।

कांग्रेस पार्षद ने कहा- किसी ने नहीं पहनी थी लाइफ जैकेट

वृंदावन में कांग्रेस से पार्षद घनश्याम चौधरी ने बताया, यह बड़ी लापरवाही है, जिसमें न स्टीमर चालक और न ही किसी श्रद्धालुओं ने लाइफ जैकेट पहनी थी। स्टीमर चालक सेफ है, लेकिन मौके से फरार है। कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। ऑक्सीजन, दवाओं का इंतजाम किया गया है।

हादसे में 10 की मौत, इनमें पति-पत्नी और पिता-बेटी भी शामिल

1. कविता बहल पत्नी विजय कुमार, जगराओं, गीता कालोनी, लुधियाना
2. राकेश गुलाटी, फेज-2 डूगरी, लुधियाना
3. अंजू गुलाटी पत्नी राकेश गुलाटी, फेज-2 डूगरी, लुधियाना
4. प्रिंसी पुत्री चरनजीत, जगराओं, लुधियाना
5. चरनजीत, जगराओं, जगराओं,लुधियाना
6. आशा रानी पत्नी अर्जुन दास मीणा, भिवानी, हिसार
7. मीनू, फेज-2 डूगरी, लुधियाना, पंजाब
8. मधुर बहल पुत्र विजय कुमार, जगराओं, गीता कालोनी, लुधियाना
9. इशान कटारिया
10. करोरी

आर्मी के सूबेदार अखिलेश पांडेय बोले- लाइफ जैकेट पहने होते तो एक घंटे तक डूबते नहीं

मथुरा आर्मी इंजीनियरिंग कोर के सूबेदार अखिलेश पांडेय ने बताया- एक अफसर, चार JCO और 20 जवान पहुंच रेस्क्यू के लिए पहुंचे हैं। अगर पर्यटकों ने लाइफ जैकेट पहन रखी होती तो बचने के लिए उन्हें समय मिल जाता। लाइफ जैकेट के साथ एक घंटे तक तैर सकते थे। लाइफ जैकेट का लाभ यह है कि अगर कोई भी पानी में डूबता है तो जैकेट उसे पानी के ऊपर की तरफ खींचकर ले आती है, और समय रहते व्यक्ति को निकाला जा सकता है।

सीएम योगी ने जताया दुख

हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, जनपद मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्य संचालित करने और घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

ईरान से बातचीत के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति पाकिस्तान रवाना

कहा- ईरान खेल न खेले, ईमानदारी से बात करे

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान के साथ अहम बातचीत के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति JD वेंस पाकिस्तान रवाना हो गए हैं। रवाना होते वक्त उन्होंने कहा कि ईरान ईमानदारी से बातचीत करे और कोई 'खेल' न खेले। वेंस ने कहा कि अगर तेहरान गुड फेथ में बात करेगा, तो अमेरिका भी खुले तौर पर बातचीत के लिए तैयार है। लेकिन अगर वह चालाकी करने की कोशिश करता है, तो अमेरिकी टीम सख्त रुख अपनाएगी। इस्लामाबाद में दोनों देशों के बीच अहम बैठक होने वाली है। लेकिन बैठक से पहले ही अनिश्चितता बनी हुई है क्योंकि ईरानी डेलिगेशन अब तक पाकिस्तान नहीं पहुंचा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान लेबनान में जारी इजराइली हमलों से नाराज है और इसी वजह से उसने बातचीत को लेकर सख्त रुख अपनाया है। इससे पहले खबर आई थी कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान पहुंच चुका है, लेकिन ईरानी मीडिया ने इन दावों को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि 8 अप्रैल को अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बनी थी। भारत में ईरानी दूतावास ने डोनेशन से जुड़े अपने सभी बैंक खाते बंद करने का फैसला लिया है।

>> (शेष पेज 04 पर)

114 नए राफेल स्वदेशी मिसाइलों से लैस होंगे

18 जेट फ्रांस में, 96 भारत में बनेंगे, कंपनी ने सोर्स कोड देने से इनकार किया

डील

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत फ्रांस से 114 नए राफेल फाइटर जेट खरीद रहा है। 18 जेट फ्रांस में, 96 भारत में बनेंगे। इन जेट्स को स्वदेशी मिसाइलों और हथियार सिस्टम से लैस किया जाएगा। एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट (ICD) के जरिए राफेल जेट और स्वदेशी हथियार आपस में कैसे जुड़ेंगे यह तय किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय अगले महीने राफेल फाइटर जेट बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (RFP) जारी करेगा। इसके बाद कॉन्ट्रैक्ट पर बातचीत शुरू होगी। इस सौदे को फेंस एक्विजिशन काउंसिल (DAC) ने 12 फरवरी को मंजूरी दी थी। 114 में से 18 राफेल जेट्स फ्रांस से फ्लाई-अवे कंडीशन में मिलेंगे। बाकी 96 जेट्स भारत में बनाए जाएंगे, जिसमें 25% कलपुर्जे स्वदेशी होंगे। रिपोर्ट्स में कहा गया कि फ्रांस सोर्स कोड देने को तैयार नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, कोई भी देश अपने फाइटर जेट का सोर्स कोड साझा नहीं करता।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

नीतीश बने राज्यसभा सांसद, कार्यकर्ता बोले- आपका फैसला गलत

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज शुक्रवार को राज्यसभा सांसद की शपथ ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें शपथ दिलाई। इस दौरान बिहार एनडीए नेताओं के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, जेपी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद रहे। संजय झा ने सिग्नेचर करने के लिए उन्हें पेन दिया।

भाजपा और हुमायूं नॉर्थ पोल-साउथ पोल जैसे : शाह

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में पूर्व टीएमसी नेता हुमायूं कबीर के भाजपा से डील वाले वायरल वीडियो पर शुक्रवार को अमित शाह ने जवाब दिया। शाह कोलकाता में भाजपा का संकल्प पत्र लॉन्च करने पहुंचे थे। प्रेस कांफ्रेंस में उनसे हुमायूं के दावे पर सवाल हुआ। शाह ने जवाब दिया- आप ममता जी की क्षमताओं से अनजान हो। वह ऐसे 2000 वीडियो बनवा सकती हैं। हुमायूं कबीर और भाजपा नॉर्थ पोल और साउथ पोल की तरह हैं। हम कभी साथ नहीं आ सकते। हम उन लोगों के साथ बैठने के बजाय अगले 20 साल तक विपक्ष में बैठना पसंद करेंगे जो बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाते हैं। हुमायूं कबीर ने पश्चिम बंगाल चुनाव में आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) बनाई है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 38 करोड़ का 29.37 किलो सोना जब्त

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट पर बुधवार को 29.37 किलो सोने के साथ 24 केन्याई महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) ने इनसे 37.74 करोड़ का सोना जब्त किया है। महिलाएं सोना कपड़ों और बैग में छिपाकर ला रही थीं। DRI को इनपुट मिला था कि केन्या के नैरोबी से आने वाली कुछ महिला यात्री सोना लेकर मुंबई पहुंचेंगी।

गगनयान मिशन का दूसरा क्रू मॉड्यूल टेस्ट सफल

चिनूक हेलिकॉप्टर से 3 किमी ऊंचाई से छोड़ा गया

- गगनयान मिशन के तहत क्रू मॉड्यूल को हवा में छोड़ा गया। पैराशूट की मदद ये यह नीचे आया।

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीहरिकोटा। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारी में बड़ी कामयाबी मिली है। ISRO ने गुरुवार को दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट (IADT-1) सफलतापूर्वक पूरा किया। यह टेस्ट गगनयान मिशन के लिए तैयार किए गए पैराशूट सिस्टम की असली परिस्थितियों की जांच करने के लिए किया गया। इसका मकसद गगनयान मिशन से पहले पैराशूट खुलने के प्रोसेस को चेक करना था। टेस्ट के दौरान लगभग 5.7 टन वजनी डमी क्रू कैप्सूल को वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टर से 3 किमी की ऊंचाई से छोड़ा गया।

इंडियन एयर फोर्स के चिनूक हेलिकॉप्टर से क्रू मॉड्यूल को हवा में ऊपर ले जाया गया।

घर में 500 के नोटों के बंडल जले मिले थे, सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति के सामने पेश होना था

जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को इस्तीफा भेज दिया है। 14 मार्च 2025 को उनके दिल्ली स्थित सरकारी घर में आग लगने के दौरान 500-500 के नोटों के बंडल जले मिले थे। इसके बाद उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली थी, लेकिन उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। मामले की जांच पूरी होने तक उन्हें न्यायिक कामों से दूर रखा गया था। जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को इस्तीफा भेजा था, लेकिन न्यूज एजेंसी ने अगले दिन, यानी 10 अप्रैल को इसकी जानकारी दी। जस्टिस वर्मा ने इस्तीफे में लिखा है- मैं आपके सम्मानित कार्यालय को उन कारणों से परेशान नहीं करना चाहता, जिनकी वजह से मुझे यह पत्र लिखना पड़ रहा है। लेकिन गहरे दुख के साथ मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहा हूं। इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने इस्तीफे से पहले जजेस की इन्क्वायरी कमेटी को 13 पेज में एक लेटर भी लिखा है। लेटर में उन्होंने विस्तृत जवाब देते हुए पूरी जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं।उन्होंने लिखा कि जिस कैश रिकवरी को आधार बनाकर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई, उसके संबंध में न तो कोई ठोस सबूत पेश किया गया और न ही यह साबित किया गया कि वह पैसा उनका था। वर्मा के अनुसार, जिस स्टोररूम से नकदी मिलने की बात कही गई, वह उनके सीधे नियंत्रण में नहीं था।

> लोकसभा में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। उन्होंने इसे चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें कहा था कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- लोकसभा स्पीकर के पास जांच का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि लोकसभा स्पीकर की ओर से गठित संसदीय जांच पैनल में कुछ खामी दिखाई देती है। लेकिन जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत लोकसभा स्पीकर के पास यह अधिकार है कि वह जस्टिस वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए समिति गठित कर सकें, भले ही राज्यसभा में ऐसा प्रस्ताव खारिज हो चुका हो।

चिंता : योगी बोले- किडनी खराब तो चल जाएंगे, हार्ट ब्लॉक हुआ तो दूसरे लोक की यात्रा हो जाएगी

'स्मार्टफोन पर 6 घंटे खर्च करना भी बीमारी'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अस्पतालों की OPD पर अत्यधिक दबाव है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में रोजाना 12,000 से 14,000 मरीज OPD में आते हैं, जबकि पीजीआई में यह संख्या 10,000 से 11,000 के बीच है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मरीजों के एक साथ अस्पताल आने पर डॉक्टरों के लिए इलाज करना कितना चुनौतीपूर्ण हो जाता है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। सीएम ने कहा कि आज के समय में स्मार्टफोन भी कई बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। 4 से 6 घंटे तक स्मार्टफोन का उपयोग करना भी एक तरह की बीमारी है। उन्होंने कहा कि हृदय शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है।

>> (शेष पेज 04 पर)

> सीएम योगी ने कहा- स्वतंत्रता के 100 साल पूरे होने पर जब हम विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं, तब बीमारू भारत के साथ हम सशक्त भारत का सपना नहीं देख सकते हैं। किडनी खराब होने पर डायलिसिस से व्यक्ति चल सकता है, पर अगर हार्ट ब्लॉक होता है, उसके साथ दूसरे लोक की यात्रा प्रारंभ हो जाती है।

सीएम योगी की मुख्य बातें...

- यूपी अब बीमारू राज्यों से बाहर आ गया है। 1 साल (2025) में मैंने मुख्यमंत्री रिलीफ फंड से राज्य के लोगों को इलाज के लिए 1400 करोड़ रुपए फंड से दिए। इसके अलावा लोगों को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से भी 5 लाख रुपए की सहायता मिल रही है। जिनको इनसे लाभ नहीं मिला, उन्हें सीएम जन आरोग्य योजना से लाभान्वित किया।
- यूपी में पहले 17 मेडिकल कॉलेज थे। केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर 81 मेडिकल कॉलेज बनवा दिए। SGPGI और KGMU में टेलीमेडिसिन के साथ टेली ICU की भी सुविधा शुरू कर दी गई है। टेली ICU वर्चुअल ICU की व्यवस्था है।

शादियों में खाने की क्वालिटी की कोई गारंटी नहीं

सीएम योगी ने कहा- मैंने इस दिवाली से ठीक पहले खाद्य पदार्थ पर मिलावट के खिलाफ छापेमारी करने के निर्देश दिए थे। सुबह 4 से 6 बजे के करीब सुबह छापेमारी हुई तो हजारों किलो मिलावटी खोवा नष्ट किया गया। शादी और ब्याह के फंक्शन में जब जाते होंगे तो क्या गारंटी की कैसा खाना मिल रहा है।

हरिवंश राज्यसभा के मनोनीत सांसद बने, उपसभापति बन सकते हैं

नई दिल्ली। राज्यसभा के पूर्व उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह मनोनीत सांसद बने। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को अपने कक्ष में शपथ दिलाई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राज्यसभा के लिए नॉमिनेट किया था। हरिवंश का पिछला कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हो गया था। उनकी पार्टी JDU ने इस बार नाम नहीं दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने उनका मनोनयन किया। पूर्व CJI रंजन गोगोई के रिटायर होने के बाद सीट खाली हुई थी। इसे भरने के लिए JD(U) के हरिवंश को चुना गया। 69 साल के हरिवंश 2032 तक राज्यसभा में रहेंगे। राज्यसभा में 12 सदस्य मनोनीत होते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति तय करते हैं। इन्हें कला, साहित्य, विज्ञान और समाज सेवा में विशेष योगदान के आधार पर चुना जाता है। इधर, बिहार के CM नीतीश कुमार ने भी राज्यसभा सांसद की शपथ ली। हरिवंश को नीतीश कुमार का करीबी माना जाता था, लेकिन कुछ समय से दोनों के बीच दूरी नजर आई।

ममता भतीजे को सीएम बनाना चाहती हैं : शाह

लोगों की परेशानी की परवाह नहीं, ममता बोलीं- सांप पर भरोसा करना

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी। गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के देबरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, ममता बनर्जी बंगाल के लोगों की चिंता नहीं करती हैं। उन्हें बस भतीजे अभिषेक बनर्जी को अगला सीएम बनाने में दिलचस्पी है। उधर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना के टेंटुलिया में चुनावी रैली की। उन्होंने कहा- सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन BJP पर नहीं। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का घोषणा पत्र यानी 'भरोसे का पत्र' जारी किया। इसमें महिलाओं को ₹3 हजार महीना, युवा बेरोजगारों को 3 हजार महीना की मदद, पहले 6 महीने में UCC लागू करना और सरकारी कर्मचारियों को 45 दिन में सातवां वेतनमान देने की घोषणा की गई। TMC महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा, बांग्लादेश में जब हिंदुओं को परेशान किया जा रहा था और जब कथित तौर पर चिन्मय प्रभु को निशाना बनाया गया था। तब अमित शाह या नरेंद्र मोदी कुछ नहीं बोले थे। असम में BJP पिछले 10 सालों से सत्ता में है।

सम्पादकीय

ज्ञानेश कुमार को गुस्सा क्यों आता है?

पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच केन्द्रीय निर्वाचन आयोग एक बार फिर गलत कारणों से सुर्खियों में आया है। बुधवार को चुनाव आयोग की सोशल मीडिया एक्स पर लिखी एक पोस्ट से सवाल उठने लगे कि क्या एक संवैधानिक संस्था की भाषा और लहजा ऐसा होना चाहिए। दरअसल आयोग के आधिकारिक हैंडल पर लिखा था- चुनाव आयोग की तृणमूल कांग्रेस को दो टूक। पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव भयरहित, हिंसारहित, धमकी रहित, प्रलोभन रहित, छापा रहित, बूथ और सोर्स जामिंग रहित होकर ही रहेंगे। पहले तो यह संदेह हुआ कि यह वाकई चुनाव आयोग ने लिखा है या किसी ने आयोग की छवि खराब करने के लिए इस तरह तृणमूल कांग्रेस का नाम लेकर दो टूक बात कही है। क्योंकि पहले चुनाव से लेकर अब तक कभी ऐसा नहीं हुआ जब चुनाव आयोग ने सीधे किसी दल का नाम लेकर उसके लिए इस भाषा में बयान दिया हो। विपक्ष और आयोग के बीच कई बार रस्साकशी हुई है। बीते कुछ सालों में यह तनाव ज्यादा बढ़ गया है। जिसमें विपक्ष बार-बार चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाता है और इस बार तो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संसद के दोनों सदनों में प्रस्ताव लाने की तैयारी भी विपक्ष ने कर ली थी, जो सफल नहीं हुई। लेकिन इन सबके बावजूद चुनाव आयोग में बैठे लोगों ने किसी एक दल का नाम लेकर ऐसी टिप्पणी नहीं की, जो अब की गई है। इसके बाद अब यही बचता है कि चुनाव आयोग विपक्ष के नेताओं का नाम लेकर उन्हें जवाब देने लगे। क्योंकि निष्पक्षता नाम की चिड़िया शायद डाल से उड़ चुकी है। यह पोस्ट चुनाव आयोग ने ही डाली है, इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है, क्योंकि इसकी बाकायदा पृष्ठभूमि भी सामने आई है। दरअसल पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद 90.66 लाख वोटरों के नाम हटाने के विरोध में टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिला। डेरेक ओ ब्रायन, सागरिका घोष, साकेत गोखले और मेनका गुरुस्वामी इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। टीएमसी के इस दल ने मुख्यतः दो बातों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा कि ममता बनर्जी ने अब तक नौ पत्र चुनाव आयोग को लिखे हैं, लेकिन लंबे समय से आयोग चुप बैठा है, पत्रों का जवाब नहीं दे रहा। और दूसरी शिकायत नंदीग्राम में मुख्य चुनाव अधिकारी और एक वरिष्ठ भाजपा नेता के बीच कथित सांठगांठ को लेकर थी। ये कोई ऐसी शिकायतें नहीं हैं, जिनका जवाब नहीं दिया जा सकता। लेकिन चार लोगों के साथ यह बैठक केवल सात मिनट ही चली। टीएमसी का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने उनकी बातें नहीं सुनी और सात मिनट की बातचीत के बाद उन्हें गेट आउट कहा। डेरेक ओब्रायन ने कहा, 'चुनाव आयोग ने हमें अपमानित किया और परिसर छोड़ने को कहा। फिर उन्होंने सोशल मीडिया पर झूठी जानकारी फैलाई। यह भाजपा की साजिश है। लोकतंत्र की आत्मा पर हमला है।' आपको बता दें कि चुनाव आयोग की उपरोक्त पोस्ट इस बैठक के बाद ही आई है। आयोग इस बात पर इठला रहा है कि उसने टीएमसी को दो टूक जवाब दे दिया, लेकिन क्या यह शर्मिन्दगी की बात नहीं होनी चाहिए कि एक राजनैतिक दल के सवालों का संतोषजनक जवाब देने की जगह यह ढिंढोरा पीटा जाए कि हमने दो टूक जवाब दे दिया। इसका एक अर्थ यह भी होता है कि चुनाव आयोग विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए खुद को जिम्मेदार नहीं मानता है। बुधवार की बैठक के बारे में टीएमसी के आरोपों पर निर्वाचन आयोग का कहना है कि टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने मीटिंग ने चिल्लाते हुए कहा कि हम यहां बात सुनने नहीं आए हैं। इसके बाद मीटिंग में माहौल गरमा गया और टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल चला गया। हालांकि अब इस दल के सदस्यों ने निर्वाचन आयोग को चुनौती दी है कि वह इस बैठक की ट्रांसक्रिप्ट जारी करे। टीएमसी ने यह भी कहा है कि अगर आयोग इसे जारी नहीं करेगा तो हम इसे जारी करेंगे। अब बैठक किस वजह से पूरी नहीं हुई और किसने पहले आपा खोया, क्यों खोया? और क्या ऐसी तनातनी लोकतंत्र के लिए सही है? इन सारे सवालों के जवाब देश को दिए जाने चाहिए, इसकी पहल चुनाव आयोग से ही होना चाहिए। क्योंकि ऊंगलियां उसी पर उठी हैं। वैसे बैठक में बहस का एक और वाकया प.बंगाल के संदर्भ में ही पेश आया। जहां बुधवार को ही ज्ञानेश कुमार वर्चुअल मीटिंग ले रहे थे और सभी अधिकारियों से बारी-बारी से पूछ रहे थे कि उनके यहां कितने पोलिंग बूथ आदि हैं। जब यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी और कूचबिहार के पर्यवेक्षक बनाए गए अनुराग यादव से यही सवाल हुआ तो उन्हें जवाब देने में थोड़ी देरी हुई। जिस पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कोई टिप्पणी कर दी। तो अनुराग यादव ने सख्त ऐतराज जताते हुए कहा कि आप हमसे इस तरह से बात नहीं कर सकते। हमने भी इस सेवा में 25 साल गुजारे हैं। अनुराग यादव के इस तरह से मुख्य चुनाव आयुक्त को जवाब दिए जाने के बाद कुछ देर के लिए बैठक में सन्नाटा छा गया। फिर दूसरे विषयों को लेकर बात शुरू की गई और किसी तरह बैठक को निपटाया गया। इस प्रसंग के बाद अनुराग यादव को पर्यवेक्षक के पद से हटा दिया गया है। हालांकि आयोग के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें हटाने की वजह बैठक में हुई बहस नहीं थी। लेकिन यह भी कहा गया कि अगर कई बार के दौरे के बावजूद पर्यवेक्षक को यह नहीं पता कि उसके क्षेत्र में कितने बूथ हैं।

अमेरिकी कांग्रेस में ट्रंप पर महाभियोग लगाने की मांग तेज

> बाज़ार उन पर प्रतिक्रिया देते हैं। सहयोगी उनका अर्थ निकालते हैं। विरोधी उनकी 'लचीलेपन' (या सीमा) को परखते हैं। जब ये संकेत अनियंत्रित, भड़काऊ, या रणनीतिक तालमेल से पूरी तरह कटे हुए होते हैं, तो खतरा केवल एक अमूर्त कल्पना बनकर नहीं रह जाता। वह खतरा तत्काल और वास्तविक हो जाता है।

यह केवल विचारधारा की बात भी नहीं है। यह इस बारे में नहीं है कि कोई प्रशासन की व्यापक नीतियों का समर्थन करता है या विरोध। यह 'क्षमता' की बात है। राष्ट्रपति पद के लिए जिस स्तर के विवेक की आवश्यकता होती है, वह नपा-तुला, सुविचारित और परिणामों की गहरी समझ पर आधारित होना चाहिए। राष्ट्रपति द्वारा कहे गए—या पोस्ट किए गए—शब्द केवल कोरी बयानबाजी नहीं होते। ऐसा लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप की मंगलवार सुबह की 'ट्रूथ सोशल' पोस्ट, जिसमें उन्होंने धमकी दी थी कि 'आज रात पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी' और जिससे परमाणु युद्ध का ख़तरा उत्पन्न हो गया था,ने अमेरिकी सांसदों को झकझोर दिया है, जिसके बाद, ट्रंप पर महाभियोग चलाने या 25वें संशोधन का इस्तेमाल करके उन्हें पद से हटाने की मांगों का सिलसिला शुरू हो गया है। हालांकि अमेरिका, ईरान और इज़रायल 7 अप्रैल को दो हफ़्ते के युद्धबंदी पर सहमत हो गए थे, लेकिन तेहरान ने एक जवाबी प्रस्ताव भी पेश किया है। इस प्रस्ताव में प्रतिबंध हटाना, युद्ध से हुए नुकसान के लिए एक फंड बनाना, खाड़ी क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की संभावित वापसी, और परमाणु हथियार न बनाने के वादे के बदले ईरान के यूरेनियम संवर्धन के अधिकार को मान्यता देना शामिल है। अब तक यह साफ़ नहीं है कि अमेरिका इनमें से किसी भी प्रस्ताव पर सहमत हुआ है या नहीं। तेहरान होर्मुज़ जलडमरूमध्य को अस्थायी रूप से फिर से खोलने पर सहमत हो गया, जबकि व्हाइट हाउस ने इज़रायल की भागीदारी की पुष्टि की। यह सफलता पाकिस्तान के नेतृत्व के साथ बातचीत के बाद मिली, जिसने युद्धबंदी के लिए ज़ोर दिया था। समझौते के तहत, सुरक्षित मार्ग का समन्वय किया जाएगा, जिसमें ईरान और ओमान को वहां से गुज़रने वाले जहाज़ों पर ट्रांज़िट शुल्क लगाने की अनुमति होगी। तेहरान इस राजस्व का इस्तेमाल युद्ध के बाद के पुनर्निर्माण कार्यों के लिए करने की योजना बना रहा है। यह सब अमेरिकी राष्ट्रपति की 'ट्रूथ सोशल' पर की गई एक पोस्ट की पृष्ठभूमि में हो रहा है, जिसमें उन्होंने बार-बार अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। ज़ाहिर है, इस पोस्ट ने डेमोक्रेटिक सांसदों को तुरंत वॉशिंगटन लौटने पर मजबूर कर दिया, ताकि वे ईरान युद्ध को

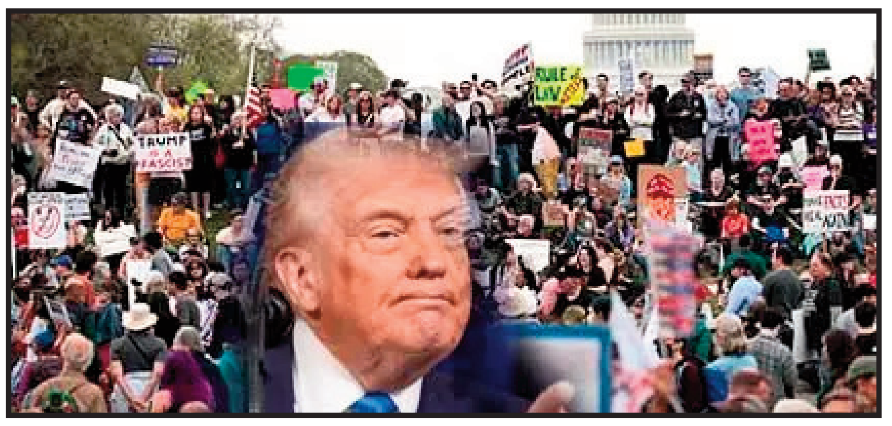

खत्म करने के तरीके पर मतदान कर सकें। न्यूयॉर्क के डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ़रीज़ और हाउस के अन्य शीर्ष डेमोक्रेटिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप 'पूरी तरह से मानसिक संतुलन खो चुके हैं' और राष्ट्रपति को रोकने के लिए मतदान ज़रूरी है, इससे पहले कि वह 'देश को तीसरे विश्व युद्ध में धकेल दें,' जैसा कि वॉल स्ट्रीट जर्नल ने रिपोर्ट किया है। ईरान में युद्ध का विरोध करने वाला एक द्विदलीय 'वॉर पावर्स रेज़ोल्यूशन' मार्च में सदन में 212-219 वोटों से पहले ही फेल हो चुका है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पद से हटाने के बारे में डेमोक्रेट्स ने जो हिचकिचाहट दिखाई थी — यहां तक कि वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने और कांग्रेस की मंज़ूरी के बिना ईरान पर हमला करने के बाद भी— वह ईरान को दी गई उनकी ताज़ा धमकी के बाद तुरंत खत्म हो गई। 'यह नरसंहार की धमकी है और इसके लिए उन्हें पद से हटाया जाना चाहिए। राष्ट्रपति की मानसिक क्षमताएं कमज़ोर पड़ रही हैं और उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता,' प्रतिनिधि अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज़ ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट किया। राष्ट्रपति की कमांड चेन में शामिल हर व्यक्ति से उन्होंने कहा कि आपका यह फ़र्ज़ है कि आप गैर-कानूनी आदेशों को मानने से इंकार कर दें। सीएनबीसी के अनुसार, उन्हें पद से हटाने की चर्चा मंगलवार की 'ट्रूथ सोशल' पोस्ट से पहले ही शुरू हो गई थी, जब ट्रंप ने ईस्टर रविवार की एक पोस्ट के ज़रिए ईरान को धमकी दी थी कि अगर उसने जल्द ही कोई समझौता नहीं किया, तो वे ईरान के पुलों और बिजली संयंत्रों पर हमला कर देंगे। हाउस की पूर्व स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने मंगलवार देर रात एक बयान में कहा कि 'ट्रंप को किसी भी तरह से पद से हटा दिया जाना चाहिए।' पेलोसी ने कहा, 'अगर कैबिनेट 25वें संशोधन को लागू करने और हालात को सामान्य बनाने के लिए तैयार नहीं है, तो रिपब्लिकन को इस युद्ध को खत्म करने के लिए कांग्रेस की बैठक फिर से बुलानी चाहिए।' यहां तक कि ट्रंप के करीबी रिपब्लिकन समर्थक, जैसे विस्कॉन्सिन के रिपब्लिकन सीनेटर रॉन जॉनसन भी, ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे पर बमबारी करने की ट्रंप की धमकियों के मामले में उनसे अलग हो गए। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के सहयोगी जॉनसन— जो शायद ही कभी राष्ट्रपति से अलग राय रखते हैं, ने 'जॉन सोलोमन रिपोर्ट्स' पॉडकास्ट में कहा, 'मैं यह नहीं देखना चाहता कि हम नागरिक बुनियादी ढांचे को उड़ाना शुरू कर दें... हम ईरानी लोगों के साथ युद्ध में नहीं हैं। हम उन्हें आज़ाद कराने की कोशिश कर रहे हैं।' लेकिन इस समय न तो महाभियोग और न ही 25वें संशोधन का इस्तेमाल होने की संभावना है, क्योंकि दोनों सदनों पर रिपब्लिकन का नियंत्रण है और ईरान युद्ध को लेकर ट्रंप प्रशासन के भीतर कोई खुला विद्रोह भी नहीं है। अमेरिका यहूदी काउंसिल फॉर पब्लिक अफेयर्स की सीईओ एमीस्पिटलनिक ने भी राष्ट्रपति ट्रंप की उस धमकी की निंदा की है, जिसमें उन्होंने ईरान के लिए तय समय-सीमा नज़दीक आने पर 'पूरी सभ्यता' को तबाह करने की बात कही थी। अमेरिकी संविधान का 25वां संशोधन किसी राजनीतिक दल के फायदे के लिए नहीं लिखा गया था। इसे ऐसे क्षणों के लिए तैयार किया गया था जब कार्यकारी निर्णय लेने की निरंतरता और स्थिरता पर सवाल उठने लगें। इसका उद्देश्य राष्ट्रपति को दंडित करना नहीं, बल्कि देश की रक्षा करना है। राजनीतिक विश्लेषण सेवा यह केवल विचारधारा की बात भी नहीं है। यह इस बारे में नहीं है कि कोई प्रशासन की व्यापक नीतियों का समर्थन करता है या विरोध। यह 'क्षमता' की बात है। राष्ट्रपति पद के लिए जिस स्तर के विवेक की आवश्यकता होती है, वह नपा-तुला, सुविचारित और परिणामों की गहरी समझ पर आधारित होना चाहिए। राष्ट्रपति द्वारा कहे गए—या पोस्ट किए गए—शब्द केवल कोरी बयानबाजी नहीं होते। वे संकेत होते हैं। बाज़ार उन पर प्रतिक्रिया देते हैं। सहयोगी उनका अर्थ निकालते हैं। विरोधी उनकी 'लचीलेपन' (या सीमा) को परखते हैं। जब ये संकेत अनियंत्रित, भड़काऊ, या रणनीतिक तालमेल से पूरी तरह कटे हुए होते हैं, तो खतरा केवल एक अमूर्त कल्पना बनकर नहीं रह जाता। वह खतरा तत्काल और वास्तविक हो जाता है। मंगलवार शाम को, ट्रंप ने दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा की, लेकिन इससे उनके आलोचकों को कोई तसल्ली नहीं मिली। सीनेट में अल्पसंख्यक दल के नेता चक शूमर ने इस घोषणा के बाद एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्हें 'खुशी है कि ट्रंप पीछे हट गए हैं, और अब वे अपनी बेतुकी शेखी बघारने वाली बातों से बाहर निकलने का कोई न कोई रास्ता बेसब्री से ढूंढ रहे हैं। ईरान के खिलाफ राष्ट्रपति ट्रंप की जंग के पीछे की एकमात्र वजह 7 अप्रैल को दिए उनके बयान से साफ़ ज़ाहिर होती है जिसमें उन्होंने कहा था कि चल रहे संघर्ष के नतीजे के तौर पर अमेरिका ईरान के तेल संसाधनों पर कब्ज़ा कर सकता है, और उन्होंने इसे सैन्य कार्रवाई के बदले मिलने वाले संभावित आर्थिक फ़ायदे के तौर पर पेश किया था। हालांकि ट्रंप के पहले के राष्ट्रपति जो बाइडेन पर भी भाई-भतीजावाद के आरोप लगे थे।

असद मिज़ार्

जन सुराज का...

रामस्वरूप रावतसरे

भारत के लिए कितनी अहम है, प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर की सफलता!

ईरान जंग की वजह से पूरी दुनिया में बेचैनी है। कच्चे तेल के दाम बढ़ने से हर तरफ महंगाई बढ़ रही है। अमेरिका से लेकर नेपाल तक हर मुल्क की जनता परेशान है। भारत भी इस जंग के असर से अछूता नहीं है लेकिन, अब भारत के हाथ अलादीन का चिराग लग गया है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी घोषणा की है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो इस अलादीन के चिराग के दम पर भविष्य में भारत एक जगमगाता सितारा बन जाएगा। भारत को अरब देशों या रूस से तेल पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। फास्ट ब्रीडर न्यूक्लियर रिएक्टर एक बेहद जटिल टेक्नोलॉजी है। पश्चिमी देश इस तकनीक को हासिल करने में नाकाम रहे हैं। इस तकनीक वाले न्यूक्लियर रिएक्टर में यूरेनियम की जगह थोरियम का इस्तेमाल किया जाता है और दुनिया के थोरियम भंडार का 25 फीसदी हिस्सा भारत में हैं यानी इस तकनीक की बदौलत परमाणु बिजली के क्षेत्र में भारत की यूरेनियम पर निर्भरता खत्म हो जाएगी। भारत में यूरेनियम भंडार बहुत नगण्य है। इसके लिए भारत को रूस और ऑस्ट्रेलिया पर निर्भर रहना पड़ता है। जानकारी के अनुसार भारत ने फास्ट ब्रीडर न्यूक्लियर रिएक्टर की कल्पना 70 साल पहले की थी। जानेमाने वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा ने इस दिशा में काम शुरू किया था। तब से भारत इस तकनीक को हासिल करने में लगा था। दरअसल, दुनिया के सबसे अमीर छह देशों ने फास्ट ब्रीडर न्यूक्लियर रिएक्टर्स तकनीक हासिल करने पर 50 बिलियन डॉलर (लगभग 4.25 लाख करोड़ रुपये) खर्च कर चुके हैं।

लेकिन, असफलता के कारण एक-एक करके सभी ने प्रोजेक्ट छोड़ दिए। इस तकनीक को विकसित करने के लिए अमेरिका ने 15 बिलियन, जापान ने 12 बिलियन, ब्रिटेन ने 8 बिलियन, जर्मनी ने 6 बिलियन डॉलर खर्च कर दिए. फ्रांस और इटली भी भाग खड़े हुए। सबने कहा कि यह तकनीक हासिल करना बहुत मुश्किल और बहुत महंगा है लेकिन भारत ने सिर्फ 90 करोड़ डॉलर (लगभग 7,700 करोड़ रुपये) में अपना पहला कमर्शियली वायबल प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर विकसित कर लिया। ऐसा करने वाला भारत, रूस और चीन के बाद तीसरा देश है। वर्ष 2004 में यह प्रोजेक्ट शुरू हुआ प्रोजेक्ट था। शुरुआती बजट 42 करोड़ डॉलर का था. अब 22 साल बाद दर्जनों बार डेडलाइन खत्म होने और लागत दोगुनी होने के बाद भारत के हाथ सफलता लगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे सिविल न्यूक्लियर के सफर में एक अहम कदम बताया है। प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) एक बेहद उन्नत किस्म का न्यूक्लियर रिएक्टर है, जिसे भारत ने अपनी खास जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया है। 'फास्ट' का मतलब है कि इसमें तेज गति वाले न्यूट्रॉन का इस्तेमाल होता है और 'ब्रीडर' का मतलब है कि यह रिएक्टर जितना परमाणु ईंधन खर्च करता है, उससे ज्यादा नया ईंधन खुद बना लेता है। आम न्यूक्लियर रिएक्टर जहाँ यूरेनियम का उपयोग करके ऊर्जा पैदा करते हैं, वहीं पीएफबीआर यूरेनियम और प्लूटोनियम के साथ-साथ भविष्य के लिए नया ईंधन भी तैयार करता है, जिससे ईंधन की कमी का खतरा कम हो जाता है। भारत के लिए यह बहुत अहम है, क्योंकि हमारे पास यूरेनियम सीमित है लेकिन थोरियम का भंडार काफी ज्यादा है। प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) के 'क्रिटिकलिटी स्तर' हासिल करने का मतलब यह है कि अब रिएक्टर के भीतर परमाणु प्रतिक्रिया (न्यूक्लियर फिशन) अपने आप लगातार और नियंत्रित तरीके से चलने लगी है। जब एक परमाणु टूटता है और उससे निकलने वाले न्यूट्रॉन ठीक उतनी ही संख्या में दूसरे परमाणुओं को तोड़ते रहते हैं जिससे यह प्रक्रिया बिना रुके चलती रहे, उसी स्थिति को 'क्रिटिकल' कहा जाता है। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के अनुसार, क्रिटिकलिटी वह स्थिति है जब परमाणु श्रृंखला अभिक्रिया स्थिर रूप से खुद चलती रहती है, यानी हर फिशन से उतने ही न्यूट्रॉन पैदा होते हैं जितने अगले फिशन को जारी रखने के लिए जरूरी होते हैं। इस चरण के बाद वैज्ञानिक धीरे-धीरे इसकी क्षमता बढ़ाते हैं और इसे बिजली उत्पादन के लिए पूरी तरह तैयार करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम तीन चरणों में बनाया गया है, जिसे होमी जे भाभा ने तैयार किया था। अभी जो प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 'क्रिटिकलिटी' हासिल की है, वह दूसरे चरण की एक बड़ी उपलब्धि जरूर है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भारत पूरी तरह तीसरे चरण में पहुँच गया है। असल में, भारत अभी दूसरे और तीसरे चरण के बीच के संक्रमण दौर में है। दूसरे चरण का मकसद फास्ट ब्रडर रिएक्टर के जरिए प्लूटोनियम का इस्तेमाल करके ज्यादा ईंधन तैयार करना और आगे के लिए जरूरी सामग्री जुटाना है। पीएफबीआर का सफल होना दिखाता है कि यह तकनीक अब काम कर रही है, लेकिन पूरे देश में इस तरह के और रिएक्टर लगने और स्थिर रूप से चलने के बाद ही कहा जा सकता है कि दूसरा चरण पूरी तरह सफल हुआ है। तीसरे चरण में भारत का फोकस थोरियम पर आधारित रिएक्टरों पर होगा, क्योंकि भारत के पास थोरियम का बहुत बड़ा भंडार है। इसके लिए पहले पर्याप्त मात्रा में यू-233 जैसे ईंधन का उत्पादन जरूरी है, जो दूसरे चरण से ही मिलेगा। डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी के अनुसार, यह एक लंबी और चरणबद्ध प्रक्रिया है, जिसमें हर स्टेज अगले स्टेज के लिए आधार तैयार करता है। जानकारों के अनुसार यह रिएक्टर उसी दिशा में एक मजबूत कदम है, जिससे आगे चलकर थोरियम आधारित ऊर्जा को बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा सकेगा।

नेपाल की नई...

डॉ. शैलेश शुक्ला

क्या हम नेपाल की नई सरकार से कुछ सीखेंगे?

दक्षिण एशिया के छोटे लेकिन राजनीतिक रूप से अत्यंत सक्रिय देश नेपाल में हाल ही में बनी नई सरकार ने कुछ ऐसे निर्णय और पहलें सामने रखी हैं जिनकी चर्चा न केवल वहाँ की आंतरिक राजनीति में, बल्कि पड़ोसी देशों में भी हो रही है। सीमित संसाधनों, जटिल भौगोलिक परिस्थितियों और राजनीतिक अस्थिरता के लंबे इतिहास के बावजूद नेपाल में शासन के नए प्रयोग यह संकेत देते हैं कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति स्पष्ट हो तो अपेक्षाकृत कम संसाधनों में भी जनहितकारी नीतियों की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। यही कारण है कि यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है—क्या भारत जैसे बड़े लोकतंत्र को नेपाल की इन पहलों से कुछ सीखने की आवश्यकता है? नेपाल की नई सरकार की सबसे अधिक चर्चा में रही पहल शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी है, जहाँ निजी कोचिंग संस्थानों और निजी स्कूलों के संचालन पर सख्त नियंत्रण और नियमन की दिशा में कदम उठाए गए हैं। यद्यपि इन संस्थानों को पूरी तरह बंद करने जैसी अतिवादी व्याख्याएँ कई जगह सामने आईं, परंतु वास्तविकता यह है कि सरकार ने शिक्षा के व्यवसायीकरण को सीमित करने और सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कठोर नियम लागू किए हैं। इस नीति का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षा केवल आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग तक सीमित न रह जाए, बल्कि समाज के सभी वर्गों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके। यह दृष्टिकोण उस व्यापक चिंता को प्रतिबिंबित करता है, जो आज पूरे दक्षिण एशिया में शिक्षा के बढ़ते निजीकरण को लेकर व्यक्त की जा रही है। नेपाल की इस पहल का एक महत्वपूर्ण संदेश यह है कि शिक्षा को केवल 'सेवा' नहीं, बल्कि 'सार्वजनिक अधिकार' के रूप में देखा जाना चाहिए। जब निजी स्कूल और कोचिंग संस्थान अनियंत्रित रूप से बढ़ते हैं तो वे एक समानांतर शिक्षा व्यवस्था खड़ी कर देते हैं, जिसमें गुणवत्ता और अवसर दोनों ही आर्थिक क्षमता पर निर्भर हो जाते हैं। नेपाल सरकार ने इस असंतुलन को पहचानते हुए सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने की दिशा में प्रयास किया है। यदि यह प्रयोग सफल होता है, तो यह पूरे क्षेत्र के लिए एक उदाहरण बन सकता है। इसके अतिरिक्त, नेपाल सरकार ने स्वास्थ्य, प्रशासनिक पारदर्शिता और स्थानीय शासन को मजबूत करने के क्षेत्र में भी कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकारी अस्पतालों की सेवाओं को बेहतर बनाने, दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचाने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। यह एक महत्वपूर्ण संकेत है कि सरकार अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से जनसामान्य की मूलभूत आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने का प्रयास कर रही है। की एक और महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि उसने स्थानीय स्तर पर विकास को प्राथमिकता देने का प्रयास किया है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

सौरभ वार्ष्णेय

युद्धविराम में पाकिस्तान तो सिर्फ मोहरा, असली किंगमेकर चीन

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव न केवल पश्चिम एशिया की स्थिरता के लिए खतरा है बल्कि दक्षिण एशिया के देशों, विशेषकर पाकिस्तान, के लिए भी एक कठिन कूटनीतिक की परीक्षा बनकर रह गया है। पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति, उसकी सैन्य-रणनीतिक अहमियत और इस्लामी देशों के साथ उसके रिश्ते इस संकट में उसकी भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण बना देते हैं। वहीं चीन की चुप्पी कमजोरी नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है। वह सीधे मंच पर आने के बजाय पर्दे के पीछे से प्रभाव डालकर अपने हितों को सुरक्षित रखना चाहता है। अगर ऐसे में युद्ध विराम दो हफ्ते की वजाह पूरी तरह से सफल हो जाता है, इसमें चीन का ही फायदा होगा? क्योंकि फिर से अमेरिका तेल ऊर्जा की महाशक्ति बनते बनते रह जायेगा? आज अमेरिका -ईरान के बीच भले ही दो हफ्ते का युद्धविराम हो गया है लेकिन पूरी तरह से हो गया है यह कहना बेईमानी होगी? युद्धविराम का अर्थ है कि शांति ? अमेरिका-ईरान-इजरायल युद्ध पश्चिम एशिया के लिए ही नहीं बरन पूरी दुनिया के लिए ऊर्जा संकट को खतरा बढ़ गया, वहीं दक्षिण एशिया के देशों, विशेषकर पाकिस्तान, के लिए भी एक कठिन कूटनीतिकार की भूमिका में ला खड़ा किया। पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति को देखा जाये तो उसकी सैन्य-रणनीतिक अहमियत और इस्लामी देशों के साथ उसके रिश्ते इस संकट में उसकी भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं क्योंकि इसके पीछे असली दिमाख तो चीन का लगा है, यानी जैसे अमेरिका खुद न लड़कर दूसरे के कंधे पर रखकर बंदूक चलाता है, वैसे ही पैतरा चीन ने सीख लिया। चीन ने भी पाकिस्तान को मोहरा बनाकर इस संकट से उबरने के लिए उसे

अपना मोहरा बनाया। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका यह सब जानता न हो लेकिन इस समय इजरायल के जाल में फंसकर जैसा कि इजरायल शुरु से चाहता है कि ईरान को नेस्तनाबूद किया जाये। अब ऐसे समय में अमेरिका ने दो २ हफ्ते का युद्ध विराम घोषित कर पाकिस्तान को इसका क्रेडिट दे दिया। वहीं इजरायल अब भी युद्ध छेड़े हुए हैं जिससे ईरान को होर्मूज को फिर से बंद करना पड़ा है, यानी ऊर्जा संकट फिर से खड़ा हुआ। अब पाकिस्तान की रणनीति कहां गई हालांकि पाकिस्तान में बातचीत के लिए मेज सजाई जा रही है। लेकिन चीन जैसे चाहता है वैसे शतरंज के प्यादे की तरह पाकिस्तान को चला रहा है। पाकिस्तान को पूरी तरह मोहरा कहना सही नहीं होगा, लेकिन यह भी सच है कि उसकी विदेश नीति अक्सर आर्थिक और सैन्य निर्भरता से प्रभावित होती है। अमेरिका के साथ उसका इतिहास रहा है वहीं, चीन के साथ उसका गहरा रणनीतिक रिश्ता है । इसलिए पाकिस्तान कई बार संतुलन बनाने वाला खिलाड़ी बन जाता है न कि केवल मोहरा। अगर गौर किया जाये कि चीन का असली हित क्या है? तो इससे चीन पूरे समीकरण में ज्यादा बड़ा और दीर्घकालिक खिलाड़ी है। ईरान उसके लिए ऊर्जा (तेल-गैस) का अहम स्रोत है।उसकी बेल्ट एंड रोड रणनीति का हिस्सा है। चीन नहीं चाहता कि अमेरिका मध्य-पूर्व में पूरी तरह हावी हो। इसलिए चीन सीधे युद्ध में कूदे बिना बैकग्राउंड स्ट्रेटेजी से अपना प्रभाव बनाए रखना चाहता है। तो क्या चीन पर्दे के पीछे है? चीन आमतौर पर खुलकर सैन्य हस्तक्षेप से बचता है आर्थिक, कूटनीतिक और अप्रत्यक्ष समर्थन देता है। इसलिए यह कहना कि असली किरदार चीन है, कुछ हद तक सही हो सकता है, लेकिन वह पर्दे के पीछे रहकर खेलता है, न कि खुले युद्ध में। अगर अमेरिका और ईरान में बड़ा टकराव होता है तो पाकिस्तान पर दबाव बढ़ेगा कि वह किसी एक पक्ष के करीब जाए। चीन इस स्थिति का इस्तेमाल अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए कर सकता है। पूरे एशिया में शक्ति संतुलन बदल सकता है। कहने का आशय है कि पाकिस्तान को केवल मोहरा कहना सरलीकरण होगा। वह एक मिड-लेवल स्ट्रेटेजिक प्लेयर है, जो अपनी मजबूरियों और हितों के बीच संतुलन बनाता है। वहीं चीन एक बड़ा खिलाड़ी है, जो सीधे नहीं बल्कि रणनीतिक तरीके से पूरे खेल को प्रभावित करता है। अब प्रश्न उठता है कि चीन सीधे मध्यस्थता क्यों नहीं करता? इसका कारण भी जान लें कि वैश्विक राजनीति में चीन की भूमिका लगातार बढ़ रही है लेकिन जब बात सीधे मध्यस्थता की आती है—खासतौर पर अमेरिका- ईरान जैसे संवेदनशील विवादों में—तो चीन अक्सर परोक्ष रास्ता अपनाता है। यह सवाल महत्वपूर्ण है कि आखिर चीन खुलकर मध्यस्थता क्यों नहीं करता? सबसे पहले 'लो-प्रोफाइल कूटनीति की रणनीति। चीन पारंपरिक रूप से शांत शक्ति में विश्वास करता है। वह बिना शोर-शराबे के पर्दे के पीछे से बातचीत को प्रभावित करना चाहता है, ताकि असफलता की स्थिति में उसकी साख पर आंच न आए। दूसरा आर्थिक हितों की प्राथमिकता, यानी चीन का मुख्य फोकस व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा है। मध्य पूर्व से उसे बड़े पैमाने पर तेल मिलता है। खुलकर किसी एक पक्ष की मध्यस्थता करने से उसके व्यापारिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं, खासकर सऊदी अरब और ईरान दोनों के साथ। तीसरा 'नॉन-इंटरफेरेंस नीति अपनाना। चीन की विदेश नीति का एक प्रमुख सिद्धांत है—दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना। सीधे मध्यस्थता करना कई बार इस सिद्धांत के खिलाफ माना जाता है, इसलिए वह सावधानी बरतता है। चौथी अमेरिका से टकराव से बचाव। अमेरिका अब भी वैश्विक राजनीति में प्रमुख शक्ति है। चीन खुलकर मध्यस्थता करेगा तो इसे रणनीतिक चुनौती के रूप में देखा जा सकता है जिससे दोनों महाशक्तियों के बीच तनाव और बढ़ सकता है। पांचवां, 'सही समय का इंतजार। चीन अक्सर तब सामने आता है जब उसे सफलता की संभावना ज्यादा दिखती है—जैसे ईरान-सऊदी समझौता 2023। इससे वह ₹सफल मध्यस्थ की छवि बनाता है। चीन की चुप्पी कमजोरी नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है। वह सीधे मंच पर आने के बजाय पर्दे के पीछे से प्रभाव डालकर अपने हितों को सुरक्षित रखना चाहता है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि चीन मध्यस्थ कम और संतुलन साधने वाला खिलाड़ी ज्यादा है।

चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट : वैशाली ड्रॉ के साथ टॉप पर पहुंचीं

दिव्या देशमुख और प्रज्ञानानंदा हारे, टूर्नामेंट के 4 राउंड बाकी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने FIDE चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के विमेंस कैटेगरी के 10वें राउंड में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक के खिलाफ ड्रॉ खेला। इस ड्रॉ से मिले आधे पॉइंट्स के साथ वैशाली टॉप पर पहुंच गईं। दूसरी ओर, भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख को रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। ओपन कैटेगरी में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को उज्बेक के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा इस हार के बाद 7वें नंबर पर खिसक गए। टूर्नामेंट साइप्रस के पाफोस में खेला जा रहा है। अभी चार राउंड बाकी हैं। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है और विजेता वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। ओपन कैटेगरी के विजेता का मुकाबला भारत के डी गुकेश से, जबकि विमेंस कैटेगरी की विजेता चीन की जू वेनजुन से होगा। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट साइप्रस के खूबसूरत शहर पाफोस में आयोजित किया जा रहा है, जहां दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी खिताब के लिए भिड़ रहे हैं। हर मुकाबला बेहद अहम होता जा रहा है क्योंकि अब टूर्नामेंट अपने निर्णायक चरण में पहुंच चुका है। ओपन कैटेगरी में भारत के स्टार ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद प्रज्ञानानंदा अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गए हैं। हालांकि टूर्नामेंट में अभी चार राउंड बाकी हैं, जिससे उनके पास वापसी का मौका बना हुआ है। FIDE कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में आयोजित होता है और इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप की राह का सबसे बड़ा पड़ाव माना जाता है अब जबकि टूर्नामेंट के केवल चार राउंड शेष हैं, हर खिलाड़ी के लिए हर चाल अहम हो गई है। वैशाली के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका है, वहीं प्रज्ञानानंदा और दिव्या के लिए वापसी की चुनौती सामने है। भारतीय शतरंज प्रेमियों की नजरें अब इन खिलाड़ियों के आगामी मुकाबलों पर टिकी हैं।

> पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

टॉप-6 खिलाड़ियों के बीच 1 अंक का अंतर

10वें राउंड में वैशाली को खास परेशानी नहीं हुई और खेल बिना उतार-चढ़ाव के ड्रॉ रहा। झू जिनेर को बिबिसारा असाउबायेवा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिससे वैशाली को बढ़त मिली। टूर्नामेंट बेहद रोमांचक बना हुआ है। टॉप-6 खिलाड़ियों के बीच 1 पॉइंट का अंतर है।

झू जिनेर और अन्ना मुजिचुक 5.5 अंकों के साथ वैशाली से आधा अंक पीछे हैं। 11वें राउंड में वैशाली का मुकाबला गोरियाचकिना से होगा, जबकि दिव्या झू जिनेर के खिलाफ खेलेंगी।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट क्या है और क्यों अहम

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट शतरंज की दुनिया का सबसे अहम इवेंट माना जाता है, क्योंकि यही तय करता है कि वर्ल्ड चैंपियन को अगला चैलेंजर कौन होगा। इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप का सेमीफाइनल भी कहा जाता है। विजेता को सीधे वर्ल्ड चैंपियन से खेलने का मौका मिलता है। यह शतरंज का सबसे बड़ा क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है।

कैसे होता है टूर्नामेंट?

इसमें दुनिया के टॉप 8 खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं।
सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से 2 बार (राउंड-रॉबिन फॉर्मेट) खेलते हैं।
कुल 14 राउंड होते हैं।
हर जीत पर 1 अंक, ड्रॉ पर 0.5 अंक मिलता है।
सबसे ज्यादा पॉइंट्स वाला खिलाड़ी विजेता बनता है।

'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम से युवाओं को फायदा : प्रभसिमरन सिंह

टीम इंडिया में एंट्री के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL में पंजाब किंग्स (PBKS) के ओपनिंग बैटर प्रभसिमरन सिंह ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का समर्थन किया है। जहां कई सीनियर प्लेयर्स इस नियम को खराब बता चुके हैं, वहीं 25 साल के प्रभसिमरन इसे युवाओं के लिए एक बड़े मौके के रूप में देखते हैं। उनका मानना है कि इस नियम की वजह से अब टीमें 250 से ज्यादा का स्कोर आसानी से बना रही हैं। प्रभसिमरन ने कहा, एक युवा खिलाड़ी के तौर पर मैं इसे मौका मानता हूं। मुझे IPL में आए 8 साल हो गए हैं, लेकिन शुरुआती 4 साल मुझे मौके नहीं मिले। मैं बाहर बैठकर सोचता था कि टीम में कैसे जगह बनाऊं। 'इम्पैक्ट प्लेयर' की वजह से अब मौके बढ़ गए हैं। हालांकि कुछ लोग इसे पसंद नहीं करते, क्योंकि इससे जोखिम भरा क्रिकेट बढ़ गया है, लेकिन इससे बैटिंग में गहराई आती है। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की तारीफ करते हुए प्रभसिमरन ने कहा कि अय्यर ने उन्हें 'सीनियर प्लेयर' जैसा सम्मान दिया है। वे खिलाड़ियों को फ्रीडम देते हैं। अगर आप फ्लॉप भी हों, तो वे पास आकर तनाव दूर करते हैं। कोच और कप्तान की ओर से साफ मैसेज है कि पावरप्ले में अटैकिंग खेलना है। अब 170-180 का जमाना गया, अब नजरें 250+ स्कोर पर रहती हैं। टीम इंडिया में जगह बनाने को लेकर उन्होंने कहा, ₹कॉम्पिटशन बहुत ज्यादा है। सिर्फ अच्छा करना काफी नहीं है, आपको कुछ 'एक्स्ट्रा' करना होगा। मेरे पंजाब के साथी अभिषेक शर्मा भारतीय टीम में खेल रहे हैं, यह मेरे लिए मोटिवेशन है।

फास्ट न्यूज

मंथली इनकम अकाउंट से हर महीने 9,250 की कमाई

नई दिल्ली। सरकार ने अप्रैल-जून (Q1FY27) के लिए स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। यानी आपको पहले जितना ही ब्याज मिलता रहेगा। अगर आप रिटायरमेंट के बाद या इससे पहले अपने लिए हर महीने यानी मंथली इनकम का इंतजाम करना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस का नेशनल सेविंग्स मंथली इनकम अकाउंट सही रहेगा।

स्पाइसजेट में 20% स्टाफ की छंटनी होगी

नई दिल्ली। देश की प्राइवेट एयरलाइन स्पाइसजेट गंभीर संकट से गुजर रही है। परिचालन क्षमता घटने पर कंपनी ने 20% स्टाफ कम करने का फैसला किया है, जिसमें 500 से ज्यादा कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी पर भेजा जा सकता है। एयरलाइन के पास 6,800 कर्मचारी हैं। अपने केवल 13 विमान बचे हैं, जिनमें 10 बोइंग और 3 Q400 शामिल हैं। इसके अलावा 14 विमान वेट-लीज (क्रू सहित) पर चल रहे हैं। सीनियर अफसरों को जनवरी से वेतन नहीं मिला है और अन्य कर्मचारियों की सैलरी 2-3 महीने देरी से मिल रही है। कंपनी पर जीएसटी, टीडीएस और पीएफ का 100 करोड़ से अधिक बकाया है। टीडीएस अप्रैल 2025 से व जीएसटी 5 महीनों से जमा नहीं हुआ है। एयरलाइन ने इस्तीफा दे चुके दर्जनों इंजीनियरों का तीन महीने का नोटिस पीरियड खत्म कर दिया है।

अनंत अंबानी का 31वां जन्मदिन-जामनगर के सभी गांवों को भोज

जामनगर। कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी आज अपना 31वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर गुजरात के जामनगर में भव्य सेलिब्रेशन हो रहा है, जिसमें शामिल होने के लिए बॉलीवुड समेत उद्योग जगत की कई हस्तियां जामनगर पहुंच चुकी हैं। अनंत ने गुरुवार को जामनगर में गो सेवा की। एक लाख से ज्यादा गायों को छप्पन भोग लगाया।

रंधर 2 देखने पहुंचे प्रभास और संदीप रेड्डी वांगा

संदीप ने फिल्म की आलोचना करने वालों को दिया जवाब

मुंबई, एजेंसी

साउथ एक्टर प्रभास और 'एनिमल' फेम डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा फिल्म 'धुरंधर 2' देखने सिनेमाघर पहुंचे। फैंस ने प्रभास और डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा को एक लोकल थिएटर की प्रीमियम सीटों पर स्पॉट किया। दोनों अपनी अगली फिल्म 'स्पिरिट' के काम से छोटा सा ब्रेक लेकर सिनेमाघर पहुंचे। अब सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसमें प्रभास बड़े पर्दे पर फिल्म देखते हुए मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म 'धुरंधर 2' का रिव्यू देते हुए X पर लिखा, "लेखकों और एक्टर्स ने प्रोपेगेंडा के दम पर अपने करियर बनाए और पूरी इंडस्ट्री बिल्ली की तरह चुप बैठी रही। अब वही गुट 'धुरंधर' का मजाक उड़ा रहा है। अगर आपकी पहली सोच ही किसी का मजाक उड़ाना है, तो खुद को लिबरल कहना बंद कर दीजिए। समझ नहीं आता कि सच को प्रोपेगेंडा कब से कहा जाने लगा... अजीब समय है। मुद्दे की बात पर आते हैं... मैं आदित्य धर और रणवीर सिंह से कहना चाहता हूं कि ये काली नजर ऐसे नहीं जाएगी। मुट्ठी भर लाल मिर्च से काम नहीं चलेगा, इसके लिए पूरा खेत जलाना पड़ेगा। कल रात 'धुरंधर 2: द रिवेंज' देखी... शानदार फिल्म है।" आदित्य ने संदीप के पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा मेरे प्यारे संदीप मुझे सच में यह बहुत अच्छा लगता है कि तुम अपनी बात पर डटे रहते हो और सही समय पर उसका

अनंत अंबानी को सेलेब्स ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

सलमान ने बताया प्रेरणादायक इंसान, शाहरुख बोले- अच्छे काम करते रहो

मुंबई, एजेंसी

बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी का आज जन्मदिन है। इसका सेलिब्रेशन गुजरात के जामनगर में हो रहा है। इसमें शामिल होने कई बॉलीवुड सितारे पहुंचे। सलमान खान ने अनंत अंबानी के साथ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। उन्होंने जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, सबसे निस्वार्थ, सबसे दयालु इंसान और कई लोगों के लिए प्रेरणा, मेरे छोटे भाई अनंत को जन्मदिन की शुभकामनाएं। अनंत के लिए एक और पोस्ट में सलमान ने लिखा, ये बात सुन लो, अगर याददाश्त कमजोर है तो लिख लो... ये आदमी देश को भी आगे ले जाएगा। मेरे छोटे भाई अनंत लंबी उम्र जिएं... दिल और दिमाग से असली अंबानी अनंत अंबानी... एकदम साफ दिल वाला इंसान। जामनगर में आयोजित यह बर्थडे सेलिब्रेशन भव्यता और शानदार व्यवस्थाओं के लिए चर्चा में है। इससे पहले भी अंबानी परिवार अपने बड़े आयोजनों को लेकर सुर्खियों में रहा है, और इस बार भी कार्यक्रम में उसी तरह की भव्यता देखने को मिल रही है। सलमान खान की पोस्ट के बाद अनंत अंबानी के बर्थडे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस और सेलिब्रिटीज लगातार उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

> शाहरुख खान ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अनंत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, अनंत अंबानी को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं आप ऐसे ही अच्छे काम करते रहें और हमेशा सही और सकारात्मक चीजों के साथ खड़े रहें। आपका काम लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाता रहे। भगवान आपको हमेशा अच्छी सेहत और खुशियां दे।

सलमान खान अनंत को पीछे से पकड़कर मजाकिया अंदाज में पोज देते दिखे।

रणवीर सिंह ने पार्टी में गाना गाया

रणवीर सिंह ने भी अनंत को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की। वहीं, अनंत अंबानी के बर्थडे सेलिब्रेशन से रणवीर का एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें वे सिंगर मोहित चौहान के साथ गाना गाते नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने भी अनंत अंबानी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं सबसे बड़ी प्रेरणा और सबसे दयालु इंसान को। आपका धन्यवाद, जो आप सभी को एक बेहतर इंसान बनना सिखाते हैं।

आयशा टाकिया का 40वां जन्मदिन

करियर की ऊंचाइयों से अचानक दूरी, ट्रोलिंग तक का सफर

मुंबई, एजेंसी

आयशा टाकिया ने 'टार्जनः द वंडर कार' और 'वॉन्टेड' जैसी फिल्मों में काम कर खूब पॉपुलैरिटी हासिल की। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने इसके बाद फिल्मों से दूरी बना ली। और हाल ही में एक्ट्रेस को जबरदस्त ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा था। आइए उनके 40वें जन्मदिन के दिन जानते हैं उनकी लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें। आयशा टाकिया ने केवल 13 साल की उम्र से एक्टिंग लाइन में कदम रख दिया था। उन्होंने इस बीच कई टीवी एड भी किए। शाहिद कपूर के साथ बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट कॉम्पलेन के एड की वजह से उन्हें काफी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 19 साल की उम्र में मॉडलिंग में कदम रखा, और कुछ समय तक मॉडलिंग की। इसके बाद उन्होंने फाल्गुनी पाठक के साथ 'मेरी चुनर उड़ उड़ जाए' गाने में एक्ट किया। यह गाना काफी पॉपुलर हुआ और आयशा को इसके लिए काफी तारीफें मिली। इसके अलावा भी एक्ट्रेस कई गानों, जैसे- 'शेक इट डैडी', 'नहीं-नहीं अभी नहीं' में नजर आईं। इन सब के बाद आयशा को बॉलीवुड में पहला ब्रेकथ्रू मिला 2004 में आई अब्बास-मस्तान की सुपरनैचुरल एक्शन थ्रिलर फिल्म 'टार्जनः द वंडर कार' से। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई।

> साल 2009 में आयशा ने फरहान आजमी से शादी की। फरहान राजनेता अबू आजमी के बेटे हैं। बता दें कि आयशा हिंदू थीं, लेकिन उन्होंने शादी के इस्लाम धर्म अपना लिया। इसके कुछ समय बाद उन्होंने फिल्म लाइन छोड़ दी। कपल का एक बेटा भी है, जिसका नाम मिकाइल है।

प्लास्टिक सर्जरी के चलते हुईं ट्रोल

आयशा अब सोशल मीडिया पर भी काफी कम एक्टिव रहती हैं। कुछ समय उन्होंने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें उनमें काफी बदलाव नजर आए थे। बताया जाता है कि एक्ट्रेस ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई थी। लेकिन जब तस्वीरें सामने आईं, तो वे पहले से काफी अलग नजर आईं।

सलमान खान के साथ दी सुपरहिट

इसके 5 साल बाद 2009 में आई सलमान खान फिल्म 'वॉन्टेड' में वे लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आईं। फिल्म बड़े पर्दे पर सुपरहिट साबित हुई, और आयशा को खूब पहचान मिली। इन दो फिल्मों के अलावा एक्ट्रेस 'दिल मांगे मोर', 'सोचा ना था'।

चांदी 4855 बढ़कर 2.41 लाख पर पहुंची

सोना 368 महंगा होकर 1.50 लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में शुक्रवार को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी 4,855 रुपए बढ़कर 2,41,013 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले 9 अप्रैल को कीमत 2,36,158 रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 368 रुपए बढ़कर 1,50,305 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले गुरुवार को कीमत 1,49,937 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 17,110 रुपए और चांदी 10,593 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.41 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। लेकिन, 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल की ईरान से जंग शुरू होने के बाद लगातार गिरावट देखी जा रही है। तब से 42 दिन में सोना 8,792 रुपए और चांदी 25,687 रुपए गिरी है।

सवाल : मस्क बोले- ये भरोसे लायक नहीं, टेलीग्राम सीईओ ने एन्क्रिप्शन फ्रॉड बताया, कोर्ट से हर्जाने की मांग

वॉट्सएप आपके प्राइवेट मैसेज पढ़ रहा

वॉशिंगटन, एजेंसी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X के मालिक इलॉन मस्क और टेलीग्राम के CEO पावेल डुरोव ने वॉट्सएप की प्राइवेसी पर सवाल उठाए हैं। मस्क ने कहा कि वॉट्सएप पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वहीं, डुरोव ने इसे इतिहास का सबसे बड़ा 'एन्क्रिप्शन' फ्रॉड बताया। यह विवाद अमेरिका में वॉट्सएप के खिलाफ दायर एक नए क्लास एक्शन मुकदमे के बाद शुरू हुआ है। यह मुकदमा इसी साल जनवरी में ब्रायन वाई. शीराजी और निदा सैमसन नाम के दो यूजर्स ने कैलिफोर्निया के फेडरल कोर्ट में दायर किया गया था। इसमें मेटा प्लेटफॉर्म्स और एक्सेंचर को पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ताओं ने ज्यूरी ट्रायल की मांग की है और कंपनी से हर्जाने की अपील की है। याचिका में दावा किया गया है कि वॉट्सएप अपने यूजर्स के मैसेज को बीच में ही इंटरसेप्ट करता है।

इसमें कहा गया है कि मेटा इन मैसेज को एक्सेंचर जैसी तीसरी पार्टियों के साथ शेयर कर रहा है। जबकि कंपनी दावा करती है कि उसके मैसेज 'एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड' हैं यानी भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई तीसरा इन्हें नहीं पढ़ सकता। सरल शब्दों में कहें तो एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन एक ऐसी सुरक्षा तकनीक है जो आपके मैसेज को एक गुप्त कोड में बदल देती है, जिसे सिर्फ भेजने वाला और प्राप्त करने वाला ही पढ़ सकता है। इसके बीच में इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर, हैकर या यहां तक कि सर्विस देने वाली कंपनी (जैसे वॉट्सएप या मेटा) खुद भी आपके मैसेज, फोटो या कॉल को देख या सुन नहीं सकती।

मस्क बोले वॉट्सएप की जगह एक्स चैट इस्तेमाल करें

इलॉन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए X चैट का इस्तेमाल करने की अपील की और दावा किया कि वहां 'असली प्राइवेसी' मिलती है। वहीं, पावेल डुरोव ने कहा कि वॉट्सएप अरबों यूजर्स को गुमराह कर रहा है। टेलीग्राम ने कभी ऐसा नहीं किया और न ही कभी करेगा।

मस्क और जुकरबर्ग का झगड़ा पुराना

इलॉन मस्क और मार्क जुकरबर्ग के बीच विवाद कोई नया नहीं है। मस्क द्वारा ट्विटर (अब X) खरीदने के बाद जुकरबर्ग ने उसे टक्कर देने के लिए 'थ्रेड्स' लॉन्च किया था। 2025 में मस्क ने अपने AI चैटबॉट 'ग्रोक' को मेटा AI से बेहतर बताया था। जून 2023 में मस्क ने जुकरबर्ग को 'केज फाइट' की चुनौती भी दी थी।

> इन गंभीर आरोपों पर मेटा के प्रवक्ता ने कहा कि मुकदमे में किए गए दावे पूरी तरह से झूठे और बेतुके हैं। वॉट्सएप पिछले एक दशक से सिग्नल प्रोटोकॉल का इस्तेमाल कर रहा है। आपके मैसेज भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई और नहीं पढ़ सकता।

सेंसेक्स 750 अंक चढ़कर 77,400 पर कारोबार कर रहा

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार 10 अप्रैल को सेंसेक्स 750 अंक (0.99%) की तेजी के साथ 77,400 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 240 अंकों (1.01%) की तेजी है, ये 24,000 पर पहुंच गया है। आज के कारोबार में बैंकिंग और ऑटो शेयरों में खरीदारी है। शेयर बाजार में कल 9 अप्रैल को गिरावट रही। सेंसेक्स 931 अंक (1.20%) नीचे 76,632 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 222 अंक (0.93%) गिरकर 23,775 पर आ गया। ऑटो और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली रही। मेटल और फार्मा शेयरों में तेजी रही। विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार में यह तेजी निवेशकों के भरोसे की वापसी को दर्शाती है। पिछले सत्र की गिरावट के बाद आई यह रिकवरी संकेत देती है कि बाजार अभी भी मजबूत बना हुआ है और निवेशक हर गिरावट को खरीदारी के मौके के रूप में देख रहे हैं। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले दिनों में वैश्विक संकेतों, विदेशी निवेश और कंपनियों के तिमाही नतीजों का असर बाजार की दिशा तय करेगा।

10,000 से ज्यादा के ऑनलाइन-पेमेंट पर 1 घंटे का होल्ड

गलत ट्रांजैक्शन कैंसिल करने का मौका मिलेगा, आरबीआई ने 'किल स्विच' का सुझाव भी दिया

मुंबई, एजेंसी

जल्द ही ऐसा हो सकता है कि आपका 10 हजार से ज्यादा का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन तुरंत न हो। उसमें 1 घंटे की देरी हो सकती है। इससे ग्राहकों को गलत ट्रांजैक्शन रोकने या कैंसिल करने का मौका मिलेगा। देश में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए RBI ने ये प्रस्ताव रखा है। RBI का मानना है कि जालसाज अक्सर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर करवाते हैं, यह देरी उस दबाव को खत्म करेगी। फिलहाल ज्यादातर डिजिटल ट्रांजेक्शन तुरंत होते हैं, जिससे यूजर को सोचने या गलती सुधारने का मौका नहीं मिलता। 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए सुरक्षा और सख्त होगी। 50,000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन के लिए एक 'ट्रस्टेड पर्सन' (भरोसेमंद व्यक्ति) की मंजूरी जरूरी हो सकती है। यह फ्रॉड के खिलाफ सुरक्षा की एक दूसरी लेयर की तरह काम करेगी। अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति या मर्चेंट को पैसे भेज रहे हैं, जिसे आप जानते हैं, तो आप उसे अपनी 'व्हाइटलिस्ट' में शामिल कर सकते हैं। व्हाइटलिस्टेड लोगों को पेमेंट करने पर यह 1 घंटे की देरी लागू नहीं होगी, जिससे नियमित लेन-देन में परेशानी नहीं आएगी। RBI ने एक 'किल स्विच' का सुझाव भी दिया है। अगर किसी ग्राहक को लगता है कि उसका अकाउंट हैक हो गया है या कोई गलत ट्रांजैक्शन हो रहा है, तो वह एक क्लिक से अपनी सभी डिजिटल पेमेंट सेवाओं को तुरंत बंद कर सकेगा। RBI फिलहाल बैंकों और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) के साथ मिलकर इसके तकनीकी पहलुओं पर चर्चा कर रहा है। इसमें मुख्य चुनौती यह है कि डिजिटल पेमेंट की 'रफ्तार' और 'सुरक्षा' के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले कुछ महीनों में इसके लिए विस्तृत गाइडलाइन जारी की जा सकती है और चरणबद्ध तरीके से इसे लागू किया जाएगा। RBI ने माना है कि डिजिटल पेमेंट का मूल सिद्धांत 'इंस्टेंट' यानी तुरंत पेमेंट है। अनिवार्य देरी से यूजर्स को कुछ असुविधा हो सकती है, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से यह जरूरी है। RBI ने इस चर्चा पत्र पर 8 मई तक आम जनता और स्टेकहोल्डर्स से सुझाव मांगे हैं।

घरों में आ रहा बदबूदार पानी, पक्षियों के पंख भी मिले, 20 हजार लोग प्रभावित

पानी की 2 टंकियों की छत टूटी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में जलकल विभाग की 2 पानी टंकियों से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। लोगों के घरों में टोटियों से पक्षियों के पंख भी मिल रहे हैं। शिकायत यह भी है कि पानी में अंडे जैसी गंध भी आती है। अलीगंज और राजाजीपुरम के ई-ब्लॉक में यह समस्या कई महीनों से है। इससे 20 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत पार्षद सहित कई बार जनसुनवाई पोर्टल पर भी की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अलीगंज के पार्षद पृथ्वी गुप्ता ने लोगों को बताया है कि टंकी पर बिजली गिर गई थी जिससे वह टूट गई है। इसे बनवा दिया जाएगा। वहीं, राजाजीपुरम की पार्षद गौरी सांवरिया ने कहा- नगर निगम के अधिकारी शिकायत नहीं सुनते। प्रदूषित पानी पीने को लोग मजबूर हैं। इसके चलते परेशान क्षेत्र के लोगों ने सीएम जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत की, लेकिन इससे भी कुछ नहीं हुआ।

लोगों का कहना है कि कई बार इसकी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। मामले में स्थानीय पार्षद पृथ्वी गुप्ता से लोगों ने शिकायत की। इसके बाद उन्होंने जलकल विभाग के अधिकारियों को बताया। इस पर अधिकारियों ने उनसे कहा कि टैंक पर बिजली गिर गई थी। जल्द इसकी मरम्मत कराई जाएगी।

टंकी ऊपर से खुली, चिड़ियों के पंख गिर रहे

अलीगंज वाली जर्जर टंकी नगर निगम के जोन-3 में आती है। जलकल विभाग की इस टंकी की क्षमता 2,200 किलो लीटर की है। इसकी सफाई 15 अक्टूबर 2025 को कराई गई थी। टंकी से लगातार पानी का रिसाव भी हो रहा है। यहां की टंकी की छत लंबे समय से टूटी हुई है। इसके कारण चिड़ियों के पंख गिरकर पानी के जरिये घरों में पहुंच रहे हैं।

राजाजीपुरम में आए दिन आता है बदबूदार पानी

राजाजीपुरम के ई-ब्लॉक में टडियन देवी मंदिर के पास में जर्जर टंकी के चलते लोग परेशान हो गए हैं। टंकी की पूरी छत ही टूट गई है। इसके चलते पूरी क्षमता से टंकी संचालित नहीं हो पा रही है। स्थानीय पार्षद गौरी सांवरिया ने कहा कि इसके लिए लगातार जलकल विभाग के महाप्रबंधक, नगर आयुक्त और मेयर से मिल चुके हैं, लेकिन हर बार आश्वासन देकर इसे टाल दिया जा रहा है। टंकी खुली छत के कारण आए दिन लोगों के घरों में गंदा पानी आ रहा है। कभी अंडे-सी बदबू तो कभी चिड़िया के पंख पानी में आ रहे हैं।

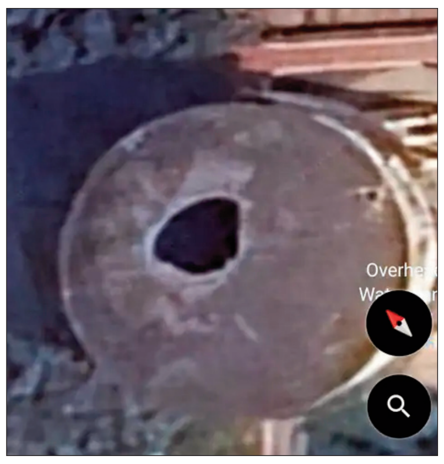

अलीगंज में पानी के टंकी की छत टूटी हुई है।

जलकल का दावा- बनाएंगे टूटी छत

जलकल विभाग ने अवस्थापना निधि से टूटी टंकियों को बनाने का दावा किया है। वहीं, लोगों ने बताया कि कई साल से मरम्मत न होने के कारण टंकी की छत टूट गई है। ऐसे में इसमें भरा जाने वाला पानी भी गंदगी और धूल से दूषित होता है। जलकल के महाप्रबंधक कुलदीप सिंह का कहना है कि टंकी पुरानी है। इसकी मरम्मत अवस्थापना निधि से होगी। प्रस्ताव पास हो चुका है। इस टंकी से आपूर्ति कुछ हिस्से से ही जांच के बाद की जाती है।

नकली सोना देकर ठगी करने वाला सरकारी शिक्षक दंपती गिरफ्तार

लखनऊ में दोस्ती कर लोगों को फंसाते थे, रिश्तेदार संग चला रहे थे गिरोह

- पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।
- आरोपियों के पास से नकली सोने के बिस्किट, गहने, मोबाइल और नकदी बरामद हुई है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सस्ता सोना देने का झांसा देकर ठगी करने वाला सरकारी दंपती गिरफ्तार हुआ है। दंपती लोगों से दोस्ती करके नजदीकियां बढ़ाता था। उसके बाद रिश्तेदार की मदद से झांसा देकर उनसे ठगी करता था। उनका रिश्तेदार भी गिरफ्तार हुआ है। आरोपियों के पास से नकली सोने की बिस्किट, गहने, 8 मोबाइल, 16 सिम, नकदी और घटना में इस्तेमाल अर्टिगा कार बरामद हुई है। आरोपियों की पहचान मो.

अफसर (37), उसकी पत्नी दानिशा फातिमा (36) और मो. अजमल (28) के रूप में हुई। मो. अफसर बदायूं के सरकारी स्कूल में सहायक अध्यापक है। उसकी पत्नी दानिशा फातिमा ठाकुरगंज स्थित कालीचरण इंटर कॉलेज में टीचर है। मो. अजमल पीओपी कारीगर है। तीनों आपस में रिश्तेदार हैं। वजीरगंज इलाके के निवासी हैं। आरोपी पहले लोगों से दोस्ती कर भरोसा जीतते थे। इसके बाद सस्ते में सोना दिलाने का लालच देते थे। असली सोना दिखाकर सौदा तय करते थे। बाद में नकली सोने की बिस्किट व गहने थमा कर पैसे लेकर भाग जाते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने माल थाना क्षेत्र के कुशमौरा निवासी सोना कारोबारी सुभाष मौर्य को सस्ता सोना देने का झांसा दिया था। सुभाष मौर्य ने 5 लाख रुपए का सोना लेने की बात कही थी। आरोपी 5 अप्रैल को सुभाष मौर्य को तय डील के मुताबिक सोना देने माल इलाके में पहुंचे। उन्होंने सुभाष को सोने का बैग दिया। सुभाष 5 लाख रुए से भरा अपना बैग स्कूटी की सीट पर रखकर सोना देखने लगा। इस दौरान आरोपी उसका बैग लेकर फरार हो गए। सुभाष ने जांच किया तो सोना नकली निकला। सुभाष ने मामले की माल थाने में शिकायत दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ लूट और ठगी का मुकदमा दर्ज किया। सर्विलांस की मदद से जांच शुरू की। शुक्रवार तड़के काकराबाद अंडरपास पर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के बाद तीनों को जेल भेज दिया।

फास्ट न्यूज

2-महीने के बच्चे की संदिग्ध हालत में मौत

मलिहाबाद। लखनऊ में दो महीने के बच्चे की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसके शरीर पर काले चकत्ते जैसे निशान बन गए हैं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि बच्चे की मौत टीकाकरण के बाद हुई है। उसे 6 अप्रैल को CHC की टीम ने टीका लगाया था। उसके बाद से तबीयत खराब होने लगी। 4 दिन में उसने शुक्रवार को दम तोड़ दिया। मामला रहीमाबाद थाना क्षेत्र के गहदो गांव का है।

एसआईआर के बाद कानपुर की फाइनल वोटर लिस्ट जारी

कानपुर। कानपुर में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुक्रवार को अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। 10 विधानसभा में कुल 6 लाख 87 हजार 201 वोटरों के नाम कटे हैं। पहले वोटरों की संख्या 35 लाख 38 हजार 261 थी, जो अब घटकर 28 लाख 51 हजार 60 रह गई है। इसमें सबसे ज्यादा कल्याणपुर, कैंट और महाराजपुर विधानसभा में वोटर्स के नाम कटे हैं। तो वहीं बिठूर और घाटमपुर विधानसभा में सबसे कम वोटर्स के नाम कटे हैं। डीएम जितेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी होने की जानकारी दी। डीएम ने बताया कि शुक्रवार को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में कानपुर की 10 विधानसभा क्षेत्र में कुल 28 लाख 51 हजार 60 मतदाता हैं। जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 15 लाख 35 हजार 294 और महिला मतदाताओं की संख्या 13 लाख 15 हजार 656 है। थर्ड जेंडर महज 110 मतदाता हैं।

आगरा के कालिंदी विहार गत्ता फैक्ट्री में भीषण आग

आगरा। आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र अंतर्गत नगला चंदन में एक गत्ता फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। दमकल की कई गाड़ियां पहुंच गई है। आग को बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। नगला चंदन में एक मकान में गत्ते की फैक्ट्री है। बताया गया है कि आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते उसने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दिया।

स्कूलों की मनमानी पर 5 लाख का जुर्माना लगेगा

लखनऊ डीएम का आदेश- 5 साल तक यूनिफॉर्म और बुक पब्लिकेशन न बदलें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में निजी स्कूलों की फीस को लेकर सख्ती बढ़ा दी गई है। जिलाधिकारी विशाख जी. की अध्यक्षता में गुरुवार रात जिला शुल्क नियामक समिति की अहम बैठक हुई। बैठक में फीस वृद्धि, शिकायतों के निस्तारण और नियमों के पालन पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रशासन ने साफ किया कि अब जिले के स्कूल मनमाने तरीके से फीस नहीं बढ़ा सकेंगे। अभिभावकों को राहत देने के लिए शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था भी मजबूत की गई है। फीस, यूनिफॉर्म और किताबों को लेकर पारदर्शिता भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी विशाख जी. ने स्पष्ट किया कि किसी भी विद्यालय में लगातार 5 शैक्षणिक वर्षों तक यूनिफॉर्म में बदलाव नहीं किया जाएगा। जहां

NCERT पाठ्यक्रम लागू है, वहां केवल NCERT की पुस्तकों से ही पढ़ाई कराना अनिवार्य होगा।

तब तक किताबों के पब्लिकेशन भी नहीं बदलने हैं। यदि कोई विद्यालय नियमों का उल्लंघन करता है तो उस पर 5 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। गंभीर मामलों में विद्यालय की मान्यता या NOC भी समाप्त की जा सकती है।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस के खिलाफ प्रदर्शन

छात्र बोले- विधायकों ने हमारा बादाम खाया, बच्चों के लिए काम भी नहीं किया

- प्रदर्शन की सूचना पर हजरतगंज कोतवाली से पुलिस पहुंची। कोतवाल विक्रम सिंह को प्रदर्शनकारी छात्रों ने अपनी मांगें सुनाईं।
- प्राइवेट स्कूलों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए छात्रों ने नारेबाजी की।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। प्राइवेट स्कूलों में हर साल बढ़ाई जाने वाली फीस के खिलाफ लखनऊ में शुक्रवार को छात्र पंचायत से जुड़े छात्रों ने प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि सरकार को सबको समान शिक्षा के लिए कानून लागू करना चाहिए। केवल लखनऊ के स्कूलों में फीस की मनमानी पर रोक लगाकर कुछ नहीं होगा। यह बाकी के 74 जिलों में भी लागू होना चाहिए। अगर हमारी बात नहीं मानी गई तो अगले महीने

आंदोलन उग्र होगा। प्रदर्शन हजरतगंज में गांधी प्रतिमा के पास राष्ट्रीय छात्र पंचायत के बैनर तले किया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय ने कहा- निजी शिक्षण संस्थान आज अभिभावकों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं। हर साल किताबों, ड्रेस और बढ़ी हुई फीस के नाम पर लूट मची है। हमने पिछले प्रदर्शन में सभी विधायकों के बादाम भेजा था। वे लोग उसे खा गए और बच्चों के लिए काम भी नहीं किया।

'पत्र के साथ विधायकों को भेजा था बादाम'

शिवम ने कहा- अधिकारी कुंभकरण की नींद सो रहे हैं। इनको हम जगाने का काम करेंगे। पिछली बार जब हमने पत्र लिखा तो 403 विधायकों को पत्र के साथ दो-दो बादाम भी भेजे थे। विधायक हमारा बादाम खा गए, पैसा बेकार कर दिया। मगर मुद्दे का संज्ञान नहीं लिया, काम नहीं किया।

'भारत को नेपाल से सीखना चाहिए'

सरकार को फीस रेगुलेशन बिल लाना चाहिए। यह बिल शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाएगा। हम लोग पिछले 2 साल से सरकार को जगाने की कोशिश कर रहे हैं मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अब हम सड़कों पर उतरेंगे और छात्र शक्ति का एहसास कराएंगे।

गांव के प्रधान क्षेत्र के विधायक और संसद और जिलाधिकारी का बच्चा जब सरकारी स्कूल में नहीं पढ़ता तो हमारा बच्चा क्यों पढ़े। सभी लोगों को एक समान शिक्षा मिले। शिक्षा के क्षेत्र में नेपाल ने बहुत पड़ा कदम उठाया है।

लूट देखते हुए प्राइवेट स्कूलों को बंद कर दिया। सभी को अब सरकारी स्कूल में अपने बच्चों को शिक्षा दिलाना पड़ेगा। भारत को नेपाल से सीखना चाहिए और सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाना चाहिए।

> सीएम को खून से लेटर लिखा, इसका कोई असर नहीं हुआ। कैबिनेट की इतनी बैठक होती हैं, उनमें कभी प्राइवेट स्कूलों की फीस की चर्चा की जाए। मैंने अपने साथियों के साथ विधानसभा घेराव किया। अपना मुंडन कराया। मेरे बाल उग आए लेकिन अधिकारियों के कान तक अभी बात नहीं गई।

मैंने खून से लेटर लिखा, कोई असर नहीं हुआ

शिवम ने कहा- लखनऊ जिलाधिकारी ने केवल अपने जिले में यह रोक लगाई। ऐसा नियम हर जिले में सरकार लागू करे। नियम बनाना कानून नहीं होता है। सरकार इसके लिए कानून लाए। मैं प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ गोंडा से पैदल चलकर आया।

कांग्रेस ने असम सीएम का पुतला फूंका

कार्यकर्ता बोले- पार्टी खुद को संस्कारी कह रही, मुख्यमंत्री की भाषा अमर्यादित

- प्रदर्शन के दौरान भाजपा के खिलाफ की नारेबाजी।
- प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान जमकर असम के सीएम का विरोध जताया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनका पुतला फूंककर अपना गुस्सा जाहिर किया और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय से दो पुतले लेकर निकले। इनमें से एक पुतला पुलिस के छीनते ही कार्यकर्ताओं ने दूसरे पुतले को वहीं पर जला दिया। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि हिमंता बिस्वा सरमा तत्काल माफी मांगें। उन्होंने देश की छवि खराब की है। उनकी पार्टी खुद को संस्कारी कह रही है और उन्हीं की भाषा अमर्यादित है। प्रदर्शन कर रहे मौके पर

कांग्रेस शहर कमेटी के अध्यक्ष शहजाद आलम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष के नेताओं में असम के सीएम की गिनती होती है। उनकी भाषा बेहद खराब और निंदनीय है। जब एक राज्य का मुख्यमंत्री इस तरह की भाषा इस्तेमाल कर रहा है तो ऐसे में पार्टी के दूसरे नेताओं और कार्यकर्ताओं से क्या उम्मीद की जा सकती है। हमारी मांग है कि तत्काल हिमंता बिस्वा सरमा माफी मांगें। कांग्रेस शहर कमेटी के अध्यक्ष अमित त्यागी ने कहा कि यह भाषा बेहद शर्मनाक और अपमानजनक है। खुद को देश की सबसे सांस्कृतिक और सभ्य पार्टी कहने वाले दल। इन्होंने बेहद गलत और निंदनीय बयान दिया है। इसके लिए सिर्फ कांग्रेस पार्टी से नहीं बल्कि पूरे देश से माफी मांगें। जो पार्टी अपने आप को सबसे ज्यादा सभ्य और संस्कारी कहती है, उसी की भाषा सबसे अधिक खराब है। अमित त्यागी ने कहा कि वह बताएं कि एक राज्य का मुख्यमंत्री इस तरह की भाषा इस्तेमाल कर रहा है इसे कहां से संस्कारी कहेंगे। यह जिस तरीके की भाषा इस्तेमाल कर रहे हैं क्या जीवन भर सत्ता में रहेंगे। हम लोग भी सत्ता में रहे मगर कभी ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं किया। इन्होंने कहा कि हमारे प्रवक्ता पवन खेड़ा ने उनकी पत्नी के डॉक्यूमेंट पर सवाल खड़े किए थे उसका जवाब देना चाहिए न कि अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए।

विरोध : जिंदगी की कीमत पर व्यवसाय नहीं चलेगा, 859 संपत्तियों को तोड़ने के आदेश

मेरठ का मामला देश के लिए चेतावनी : सुप्रीम कोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। सुप्रीम कोर्ट ने मेरठ में अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने गुरुवार को 859 संपत्तियों पर बने अवैध सेटबैक को दो महीने के भीतर तोड़ने का आदेश दिया है। अवैध सेटबैक यानी इमारत के चारों ओर छोड़ी जाने वाली अनिवार्य खाली जगह में किया गया निर्माण। लाइव लॉ के मुताबिक, कोर्ट ने कहा- मामला सिर्फ यूपी तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के लिए चेतावनी है। अगर प्रशासन ने समय रहते कदम उठाए होते, तो इतनी बड़ी समस्या पैदा नहीं होती।कानून का राज लोगों के शोर-शराबे के आगे झुक नहीं सकता है। व्यवसाय किसी की जिंदगी की कीमत पर नहीं चल सकता है। बुधवार को आवास विकास परिषद ने सभी 44 दुकानों को सील कर दिया। प्रशासन ने कोर्ट को जानकारी दी कि 44 संपत्तियां सील कर दी गई हैं। हालांकि, सीलिंग के दौरान अफसरों को

व्यापारियों के विरोध का सामना करना पड़ा। मामले में अब अगली सुनवाई जुलाई में होगी। इस पर पीठ ने कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने सवाल उठाया कि इन संस्थानों की अनुमति किसने दी। कहा- हमारे लिए सबसे जरूरी बात मासूम बच्चों, आम लोगों और मरीजों की जान है। हमें आपके बिजनेस से कोई लेना-देना नहीं है। आप किसी की जान की कीमत पर अपना बिजनेस कर रहे हैं। सेटबैक को किसी भी तरह वैध नहीं किया जा सकता। कोई भी व्यक्ति जुर्माना या फीस देकर इस अवैध कब्जे को सही नहीं ठहरा सकता। नियम सख्ती से लागू किए जाएंगे।

'सेटबैक को किसी भी तरह वैध नहीं किया जा सकता'

गुरुवार को जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ में मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट में यूपी आवास एवं विकास परिषद की तरफ से पेश हुए वकील राजीव शकधर ने बताया- सील की गई 44 संपत्तियों में 6 स्कूल, 6 अस्पताल, 4 बैंक्वेट हॉल, 3 बैंक और एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी शामिल हैं।

8 अप्रैल को यानी 2 दिन पहले आवास विकास ने सभी 44 संपत्तियों को सील कर दिया था।

कोर्ट ने यूपी के अधिकारियों को फटकार लगाई। कहा- स्कूलों, अस्पतालों और यहां तक कि सरकारी बैंकों को भी ऐसी इमारतों से चलाने की इजाजत कैसे दी

पृष्ठ 01 का शेष...

ईरान से बातचीत ...

दूतावास ने लोगों से अपील की है कि अब किसी भी खाते में पैसा ट्रांसफर न करें। मार्च 2026 में मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच दूतावास ने भारत के लोगों से आर्थिक मदद मांगी थी। 14 मार्च को इसके लिए आधिकारिक बैंक खातों की जानकारी साझा की गई थी, ताकि युद्ध प्रभावित लोगों के लिए दवाइयां और जरूरी सामान खरीदा जा सके। इस अपील पर बड़ी संख्या में भारतीयों ने सहयोग किया और दान भेजा। हालांकि, बाद में विदेश में सीधे फंड ट्रांसफर को लेकर नियमों की बाधाएं सामने आईं, जिससे प्रक्रिया मुश्किल हो गई। इसके साथ ही फर्जी खातों के जरिए धोखाधड़ी की आशंका भी बढ़ने लगी थी। इन परिस्थितियों को देखते हुए दूतावास ने फैसला लिया कि अब आगे कोई दान नहीं लिया जाएगा। साथ ही पहले मिले पैसे का इस्तेमाल भारत में ही जरूरी सामान खरीदने में किया जाएगा। दूतावास का कहना है कि यह कदम किसी भी तरह की गड़बड़ी या गलत लेनदेन से बचने के लिए उठाया गया है। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन के 40वें दिन नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर दूतावास में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का झंडा फहराया गया। यह कार्यक्रम 40 दिन की शोक अवधि के तहत आयोजित किया गया, जो शिया परंपरा में खास महत्व रखता है। ईरान खामेनेई की मौत को 'शहादत' के रूप में देख रहा है और देश के साथ-साथ विदेशों में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास में लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे और कंडोलेंस बुक में संदेश दर्ज किए थे।

114 नए राफेल ...

यही कोड रडार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, टारगेट ट्रैकिंग और हथियार सिस्टम को कंट्रोल करता है, इसलिए इसे साझा नहीं किया जाता। हालांकि, डील पर इसका असर नहीं है। एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को रूस ने 5th जनरेशन Su-57 फाइटर जेट के दो स्क्वाड्रन देने की पेशकश की है। वह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के साथ मिलकर Su-30 MKI जेट्स को अपग्रेड भी कर रहा है। हालांकि रूस ने इन दोनों फाइटर जेट्स के सोर्स कोड कभी शेयर नहीं किए। अमेरिका का भी यही रुख है। भारत के पास मौजूद अमेरिकी ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और अटैक हेलिकॉप्टर से जुड़े सॉफ्टवेयर कोड भी शेयर नहीं किए जाते। एयरफोर्स ने सितंबर 2025 में 114 अतिरिक्त राफेल जेट की मांग रक्षा मंत्रालय को भेजी थी। एयरफोर्स के पास पहले से 36 राफेल विमान है, जबकि नौसेना ने 26 मरीन वेरिएंट राफेल का ऑर्डर दिया है। अधिक संख्या में एक ही प्लेटफॉर्म होने से रखरखाव लागत कम होगी। अंबाला एयरबेस पर राफेल का ट्रेनिंग और MRO (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सेंटर पहले से चालू है। एयरफोर्स के पास तुरंत दो स्क्वाड्रन (36–38 विमान) शामिल करने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेयर पार्ट्स और प्रशिक्षित स्टाफ मौजूद है।

'स्मार्टफोन पर...

किडनी खराब होने पर व्यक्ति डायलिसिस के सहारे जीवन जी सकता है, लेकिन यदि हृदय में ब्लॉकेज हो जाए तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। मुख्यमंत्री, शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी में आयोजित नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विस्तार हुआ है। यूपी अब बीमारू राज्यों से बाहर आ गया है। 1 साल (2025) में मैंने मुख्यमंत्री रिलीफ फंड से राज्य के लोगों को इलाज के लिए 1400 करोड़ रुपए फंड से दिए। इसके अलावा लोगों को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से भी 5 लाख रुपए की सहायता मिल रही है। जिनको इनसे लाभ नहीं मिला, उन्हें सीएम जन आरोग्य योजना से लाभान्वित किया। यूपी में पहले 17 मेडिकल कॉलेज थे। केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर 81 मेडिकल कॉलेज बनवा दिए। SGPGI और KGMU में टेलीमेडिसिन के साथ टेली ICU की भी सुविधा शुरू कर दी गई है। टेली ICU वर्चुअल ICU की व्यवस्था है। समय से जागने की आदत डालें। देर रात तक स्मार्टफोन का उपयोग बंद कर दें। गरीब को हार्ट की बीमारी कम होती है क्योंकि वह मेहनत खूब करता है। अब ऐसी बीमारी से इलाज की दिशा में भी हम अहम कदम उठा सकते हैं। सीएम योगी ने कहा- गवर्नमेंट संस्थानों में भीड़ लगती है। KGMU में रोजाना की 12000 से 14000 की OPD है। SGPGI में 10000 से 11000 की OPD है। ये आज की स्थिति है। 4 से 6 घंटे सामान्य व्यक्ति के स्मार्ट फोन पर खर्च हो रहे हैं जो ये नई बीमारी है। जिस तेजी के साथ लोगों में डायबीटीज हो रही है, ये हम सबके लिए एक चुनौती है। गवर्नमेंट अपने तरीके से काम करती है, अवेयर करती है पर यही काम जब डॉक्टर करता है तो लोग इस पर भरोसा करते हैं। सीएम योगी ने कहा- CM रिलीफ फंड से मैंने खुद 1400 करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराई है। इससे पहले जो आयुष्मान कार्ड से वंचित थे उन्हें सीएम जन आरोग्य से मेडिकल कवर दिया है। अभी हाल ही में शिक्षकों, आंगनबाड़ी सहित बड़ी संख्या में लोगों को कवर किया जा रहा है।

रिटायर्ड पुलिसकर्मी के बेटे ने लैब टेक्नीशियन की हत्या की

सीतापुर में रात 2 बजे वारदात, लाइसेंसी रिवॉल्वर से सिर में गोली मारी

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में रिटायर्ड पुलिसकर्मी के बेटे ने गुरुवार देर रात 2 बजे लैब टेक्नीशियन की हत्या कर दी। आरोपी शिवेश सिंह (40) ने अपने पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर से सतीश यादव (35) के सिर में गोली मारी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

लैब रिटायर्ड पुलिसकर्मी की ही है। आरोपी उसकी जिम्मेदारी संभालता है। उसका लैब टेक्नीशियन से मनमुटाव था। गुरुवार रात उसका सतीश से किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इससे बौखलाया अपने पिता के कमरे में गया। अटैची जलाकर लाइसेंसी रिवॉल्वर निकाली।

गोली की आवाज सुनकर सो रहे लाग जाग गए। भागकर मौके पर पहुंचे तो सतीश को खून से लथपथ जमीन पर पड़ा देखा। उसे तुरंत जिला अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टर्स ने सतीश को मृत घोषित कर दिया। मामला कोतवाली देहात क्षेत्र का है। सीओ सदर नेहा त्रिपाठी के

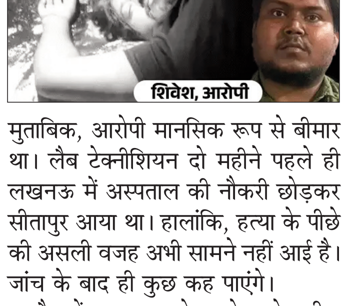

शिवेश, आरोपी

मुताबिक, आरोपी मानसिक रूप से बीमार था। लैब टेक्नीशियन दो महीने पहले ही लखनऊ में अस्पताल की नौकरी छोड़कर सीतापुर आया था। हालांकि, हत्या के पीछे की असली वजह अभी सामने नहीं आई है। जांच के बाद ही कुछ कह पाएंगे।

लैब में आजमगढ़ के रहने वाले सतीश यादव बतौर लैब टेक्निशियन काम करते थे। पहली मंजिल पर साथियों के साथ रहते थे। गुरुवार रात शिवेश और सतीश में बहस हुई। दोनों के बीच काफी देर तक तू-तू, मैं-मैं चली। इस बीच शिवेश ने पिता की रिवाल्वर से सतीश को मार दी। आवाज सुनकर लोग जाग गए। पुलिस को सूचना दी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676